हरिभूमि रायपुर भूमि

जल्दबाजी में अहाता खोला इंतजाम अभी आधा-अधूरा

ऐसे चल रहे अहाते

शराब दुकान के पास अहाता संचालित करने का ठेका फायनल होने के दूसरे-तीसरे दिन से ही ठेकेदारों ने बगैर उचित व्यवस्था किए ठेले तथा टेंट में इसका संचालन शुरू कर दिया है। भाठागांव स्थित देशी, विदेशी शराब दुकान के पास टेंट में अहाता संचालित किया जा रहा है। इसी तरह से पुराना बस स्टैंड स्थित अंग्रेजी शराब दुकान के बाजू में अस्थायी तौर पर स्टाल लगाकर अहाता संचालित किया जा रहा है।

टेंट में अहाता... स्टाल भी लगा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

हरिभूमि लाइव

राजधानी से साथ राज्य में पियक्कड़ों के लिए शराब पीने सुरक्षित ठिकाना उपलब्ध कराने अहाता की व्यवस्था की गई है। राजधानी में 14 मई को अहाता का ठेका होने के बाद ज्यादातर ठेकेदारों ने ढंग की व्यवस्था किए बगैर ही अहाता शुरू कर दिया है। ऐसे में आसपास खाली शीशियां, खाली चखना पैकेट, प्लास्टिक डिस्पोजल गिलास समेत तमाम तरह की गंदगी फैली दिख रही है। हरिभूमि की टीम रविवार को शराब दुकानों के पास संचालित अहातों की पड़ताल करने पहुंची तो अव्यवस्थाओं के बीच अहाता संचालित होना ⏭शेष पेज 13 पर

ये सुविधाएं जरूरी

अहाता संचालकों को निर्देश दिया गया है कि जिस शराब दुकान के पास इसका संचालन किया जाएगा, वहां शराब पीने वालों के लिए बैठने की सुविधा रहेगी। साथ ही अहाता संचालक शराब पीने वालों को खाने-पीने का सामान बेच सकते हैं। शराब की खाली शीशियां तथा बोतलें अहाता संचालक की होंगी। वर्तमान में यहां ऐसी कोई व्यवस्था नहीं दिख रही है। संचालक शराब पीने वालों को खाने-पीने का सामान तो बेच रहे हैं, लेकिन उनके बैठने की उचित व्यवस्था नहीं की है।

खबर संक्षेप

पिकअप पलटने से 13 साल की बच्ची की मौत

रायपुर। अभनपुर थाना क्षेत्र में मालवाहक पिकअप पलटने से एक 13 साल की बच्ची की मौके पर मौत हो गई। पिकअप में सवार तीन से चार महिलाएं घायल हो गईं, इनमें से कुछ की हालत गंभीर बनी हुई है। घटना पचेड़ा के पास की है। जानकारी के मुताबिक भिलाई पॉवर हाउस का एक परिवार पिकअप में सवार होकर विवाह समारोह में शामिल होने पचेड़ा पहुंचा था, वापसी के दौरान पिकअप वाहन मेन रोड से उतर गया और नाले में जा गिरा।

नशे से 'निजात', अड्डेबाजों के खिलाफ अभियान

रायपुर। राजधानी पुलिस नशे के खिलाफ निजात अभियान चला रही है। इसी कड़ी में मादक पदार्थों की अवैध खरीद-बिक्री करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने के साथ ही नशेबाज युवाओं से नशा छोड़ने अपील कर रही है। इसके लिए पुलिस सार्वजनिक स्थानों पर अभियान चलाने का काम कर रही है। रविवार को एएसपी सिटी लखन पटले ने मरीन ड्राइव पहुंचकर युवाओं को नशे से दूर रहने की अपील की, साथ ही जो नशे के आदी हो गए हैं, उनसे इससे होने वाले नुकसान के बारे में चर्चा करते हुए नशा छोड़ने अपील की।

23 किलो गांजा जब्त तस्कर गिरफ्तार

रायपुर। टिकरापारा पुलिस ने एक तस्कर के कब्जे से तीन लाख रुपए से ज्यादा कीमत का 23 किलो गांजा जब्त कर उसे गिरफ्तार किया है। युवक गांजा धमतरी से लेकर उत्तरप्रदेश रायबरेली ले जाने की फिराक में स्कूटर से रायपुर पहुंचा था। पुलिस के मुताबिक गांजा तस्करी करने के आरोप में गोबरा नवापारा निवासी प्रवीण देवांगन के कब्जे से गांजा जब्त किया गया है।

निर्माणाधीन मकान में चोरी, दो आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के एक निर्माणाधीन मकान में 80 हजार रुपए के इलेक्ट्रॉनिक सामान चोरी करने के आरोप में दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गौरव पाण्डेय की शिकायत पर तेलीबांधा निवासी अमन गोपाल तथा बूढ़ापारा निवासी राकेश डागा को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार चोरों ने पहुना स्थित निर्माणाधीन मकान में एक माह पूर्व चोरी की घटना को अंजाम दिया था।

ट्रेडर्स कह रहे- कीमत ज्यादा बढ़ने से बाजार में पैसा फंसा, इसलिए समय पर रेत का आर्डर नहीं दे पा रहे

रेत के खेल में ट्रांसपोटर्स की एंट्री, कई गाड़ियों के पहिए जाम, बारिश में रुक जाएगा निर्माण

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

हरिभूमि सरोकार

अवैध रेत खनन और अवैध भंडारण के बीच रेत परिवहन करने वाले ट्रांसपोर्टर्स ने भी मुसीबत खड़ी कर दी है। कई ट्रांसपोर्टर्स ने गाड़ियां खड़ी कर दी है यानी सप्लाई ठप कर दिया है। जाहिर है, सोना बन चुकी रेत हाथ से फिसलती जा रही है, जिसका सीधा असर निर्माण कार्य पर पड़ना तय है। 15 जून के बाद तमाम घाट बंद कर दिए जाएंगे, उसके बाद वैध भंडारण से रेत मिलेगी तो जरूर पर कीमत बढ़ जाएगी। अभी भी हाईवा की कीमत 15 से 17 हजार रुपए पहुंच चुकी है।

रेत का अवैध कारोबार रोकने प्रशासन कार्रवाई जरूर कर रहा है, लेकिन अवैध रूप से खदानों से रेत निकालना बंद नहीं हुआ है। कार्रवाई वाहनों पर हो रही है, खदानों पर नहीं। यही वजह है कि ट्रांसपोर्टरों में आधे ने गाड़ियां खड़ी कर दी है, जिस वजह से रेत नहीं मिल पा रही है। ट्रांसपोर्टिंग का कार्य 30 से 40 प्रतिशत तक प्रभावित हुआ है। वर्तमान में ट्रेडर्स से जुड़े कारोबारियों के पास रेत की उपलब्धता पहले की तुलना में कम है।

शहर के अलग-अलग रेत ट्रेडिंग करने वाले कारोबारियों ने बातचीत में बताया कि एक माह पूर्व की तुलना में रेत की कीमत तीन से चार हजार रुपए बढ़ गई है। इसके चलते उन्हें भी ऊंची कीमत पर रेत बेचनी पड़ रही है। रेत की कीमत बढ़ने की वजह से मंझोले तथा छोटे निर्माण कार्य कराने वाले महंगी दर पर लेने से परहेज कर रहे हैं। रेत ट्रेडिंग कारोबारियों के मुताबिक, उनके पास ज्यादातर मंझोले तथा छोटे निर्माण कार्य कराने वाले रेत की खरीदी करते हैं। इसके अलावा बड़े निर्माण कार्य कराने वाले रेत ट्रांसपोर्ट करने वाले ट्रांसपोर्टरों से संपर्क कर रेत खरीदते हैं।

आगामी दिनों में रेत सप्लाई और बुरी तरह प्रभावित होने की आशंका

फाइल फोटो

मुरुम की एक व गिट्टी से भरी दो गाड़ियां भी पकड़ी गई

बारिश से पहले बढ़ी रेत की चोरी

रात्रि गश्त में 17 गाड़ियां पकड़ाईं

इस बार रेत का स्टोरेज कम?

रेत ट्रेडिंग कारोबारी विशाल जुमनानी के मुताबिक बाजार में उन्हें जिस दर पर रेत मिलती है, प्रति घनमीटर 25 से 50 पैसे कमीशन लेकर वे रेत उपलब्ध कराते हैं। कीमत ज्यादा होने की वजह से रेत की लागत बढ़ गई है। इसके चलते कारोबारियों की मोटी रकम बाजार में फंसी हुई है। बारिश के सीजन में जो पूर्व में रेत का भंडारण किया जाता था, उसकी तुलना में इस बार रेत का भंडारण प्रभावित होने की आशंका है।

स्थिति नहीं सुधरने पर कीमत बढ़ने की आशंका

एनजीटी के नियम के मुताबिक 15 जून के बाद से सभी रेतघाट अक्टूबर तक के लिए बंद कर दिए जाएंगे। घाटों में रेत उत्खनन करने का कार्य 8 जून से बंद होना शुरू हो जाएगा। ऐसे में लोगों की मांग तथा जरूरत को देखते हुए ट्रेडर्स रेत का भंडारण शुरू कर देते हैं। ट्रांसपोर्टरों के मुताबिक, स्थिति नहीं सुधरने पर आने वाले दिनों में रेत की कीमत बढ़ने की आशंका है।

नियम विरुद्ध उत्खनन

रॉयल्टी नहीं मिलने की वजह से रेत परिवहन प्रभावित हुआ है। प्रशासन केवल ट्रांसपोर्टर के खिलाफ कार्रवाई करता है, जबकि अवैध रूप से रेत उत्खनन करने वाले रेतघाट संचालकों के खिलाफ किसी तरह से कोई कार्रवाई नहीं होती। रेत घाटों में नियम विरुद्ध चेन माउंटेन मशीन से रेत उत्खनन कराया जा रहा है।

- **राजेश मिश्रा,** संरक्षक हाईवा रेत परिवहन संघ

तापमान 40 डिग्री चार दिन और बढ़ोतरी के आसार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

चार दिन राहत के बाद शहर का तापमान 40 डिग्री पहुंचने से रविवार को तेज धूप महसूस हुई। अनुमान है कि अगले चार दिन तक इसमें एक से दो डिग्री की वृद्धि होगी। साथ ही बारिश की गतिविधि भी लगातार जारी रहने से आसमान में हल्के बादल भी रहेंगे।

मौसम विज्ञान केंद्र के विशेषज्ञों के अनुसार पिछले चौबीस घंटे में बारिश की गतिविधि बस्तर में केंद्रित रही और कई क्षेत्रों में बादल बरसे। अभी भी वर्षा की संभावना बनी हुई है। इस बीच मध्य और उत्तरी हिस्सों में दिन के अधिकतम तापमान के साथ गर्मी में भी बढ़ोतरी होगी। रविवार को रायपुर का पारा 40.2 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से करीब दो डिग्री कम है। काफी दिन बाद धूप निकलने की वजह से दोपहर में लोगों ने गर्मी से असहज महसूस किया।

- काफी दिनों बाद महसूस हुई तेज धूप

धीमी गति से बढ़ेगा तापमान

मौसम विशेषज्ञ एचपी चंद्रा ने बताया कि तापमान में बढ़ोतरी होगी, मगर इसकी गति धीमी रहेगी। अगले तीन से चार दिनों में रायपुर का पारा 42-43 डिग्री तक पहुंचने की संभावना भी काफी कम है। रविवार को राज्य का अधिकतम तापमान दुर्ग और डोंगरगढ़ में 42.6 डिग्री दर्ज किया गया। अभी एक द्रोणिका उत्तर-पश्चिम उत्तरप्रदेश से उत्तर बांग्लादेश तक विस्तारित है। दूसरी द्रोणिका पूर्वी उप्र से मराठवाड़ा तक मौजूद है। अगले चौबीस घंटे में एक-दो स्थानों पर हल्की वर्षा होने अथवा गरज-चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है।

प्रदेश में खुलेंगे 14 नए बीएड कॉलेज

इनमें सिर्फ 4 वर्षीय पाठ्यक्रम, क्योंकि 2 वर्षीय कोर्स पर लटकेगा ताला

- राष्ट्रीय अध्यापक परिषद से मंजूरी मिलने के बाद सत्र 2024-25 से हो सकती है शुरुआत
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत बीएड की जगह प्रारंभ होंगे बीए-बीएससी व बीकॉम बीएड

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेश में शैक्षणिक सत्र 2024-25 से प्रदेश में 14 नए बीएड महाविद्यालय खोले जाएंगे। इन नए बीएड महाविद्यालयों में सिर्फ 4 वर्षीय पाठ्यक्रमों का ही संचालन होगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार, दो वर्षीय बीएड पाठ्यक्रम को बंद किया जाना है। इसके स्थान पर चार वर्षीय इंटीग्रेटेड बीएड पाठ्यक्रम शुरू होगा। इसके अंतर्गत बीए-बीएड, बीएससी-बीएड तथा बीकॉम-बीएड का संचालन किया जाना है। छात्र इसमें 12वीं कक्षा उत्तीर्ण करने के बाद सीधे प्रवेश ले सकेंगे। सूत्रों के अनुसार, चार वर्षीय बीएड पाठ्यक्रम प्रारंभ करने के लिए नए कॉलेज खोलने आवेदन उन्हीं महाविद्यालयों द्वारा किया गया है, जहां पहले से ही दो वर्षीय बीएड कोर्स संचालित हैं।

खास खबर

यहां बारहवीं के बाद छात्रों को प्रवेश दिया जाएगा। बीएससी-बीएड में विज्ञान और गणित संकाय के छात्र दाखिला ले सकेंगे। इसी तरह से बीकॉम-बीएड में कॉमर्स संकाय के छात्र दाखिला लेंगे। बीए-बीएड में कला संकाय के साथ ही अन्य संकाय ⏭शेष पेज 13 पर

वर्तमान में 14 हजार 600 सीटें

प्रदेश में बीएड के 135 महाविद्यालय हैं। इनमें मात्र चार ही शासकीय हैं, जो रायपुर, बिलासपुर, जगदलपुर और कांकेर में स्थित है। वर्तमान में बीएड की प्रदेश में 14 हजार 600 सीटें हैं। यहां दो वर्षीय बीएड के साथ डीएलएड का संचालन हो रहा है। प्राइवेट बीएड कॉलेज एसोसिएशन के संयोजन राजीव गुप्ता के अनुसार, जिन नए महाविद्यालयों ने मान्यता के लिए आवेदन किया है वहां शुरुआत में 100-100 मिलने की उम्मीद है। शासन स्तर पर एनओसी मिलने के बाद राष्ट्रीय अध्यापक परिषद द्वारा कॉलेजों को संबद्धता प्रदान की जाएगी। सत्र 2024-25 से ही इसकी शुरुआत होने की उम्मीद है।

मेघालय सैर पर दंपति अकाउंट से हैकरों ने उड़ा लिए छह लाख

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

गंज थाने में एक महिला ने अज्ञात हैकर के खिलाफ अपने कारोबारी अकाउंट को हैक कर छह लाख रुपए आहरित कर ठगी करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। घटना के वक्त महिला अपने पति के साथ मेघालय टूर पर गई हुई थीं। महिला की शिकायत पर अपराध दर्ज कर पुलिस मामले की पड़ताल कर रही है।

पुलिस के मुताबिक नहरपारा निवासी छवि अग्रवाल ने ठगी की शिकायत दर्ज कराई है। महिला ने पुलिस को बताया कि उनके पति अनूप अग्रवाल की मौदहापारा में ऑटो पार्ट्स दुकान है। उनके अकाउंट में अनूप 18 फरवरी को पैसे जमा कराने गया। इस दौरान बैंक से अपनी पासबुक की डिटेल ली, तब उन्हें पता चला कि 9 फरवरी से 12 फरवरी के बीच किसी अज्ञात जालसाज ने यूपीआई तथा इमीडिएट पेमेंट सर्विस (आईएमपीएस) के माध्यम से छह लाख रुपए आहरण कर ठगी की है। महिला ने पुलिस को बताया कि उनके अकाउंट से जब रकम ट्रांसफर की गई, उस दौरान वे मेघालय में थे। पुलिस को आशंका है कि आनॅलाइन खरीदी के दौरान किसी ने अकाउंट हैक कर बैंक डिटेल हासिल की तथा अकाउंट से रकम उड़ा ली।

- ऑनलाइन लेन-देन के दौरान अकाउंट हैक कर ठगी की आशंका

ठंड से बंद रायपुर-प्रयागराज फ्लाइट की बारिश में होगी वापसी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

अक्टूबर में बंद, अगस्त से शुरू होने की संभावना, दोपहर में होगी संचालित

ठंड के महीने यानी अक्टूबर के अंतिम दिनों से बंद रायपुर-प्रयागराज की सीधी फ्लाइट बारिश में पुनः शुरु होने के आसार हैं। अगस्त के दूसरे पखवाड़े से इसका नियमित संचालन दोपहर के शेड्यूल में किए जाने की तैयारी की जा रही है। निजी एयरलाइंस कंपनी ने जब फ्लाइट बंद करने की घोषणा की थी उस दौरान काफी विरोध हुआ था।

जानकारी के अनुसार रायपुर से प्रयागराज के बीच इंडिगो एयरलाइंस द्वारा सुबह के वक्त नियमित फ्लाइट का संचालन किया जाता था। ट्रैवहल्स कारोबार से जुड़े सूत्रों के अनुसार इस फ्लाइट को तकनीकी कारण बताकर एयरलाइंस कंपनी ने 28 अक्टूबर से बंद कर दिया था। कंपनी के इस फैसले का काफी विरोध हुआ था और तर्क दिया गया था कि एकमात्र उड़ान होने की वजह से इसमें बड़ी संख्या में यात्री नियमित रुप से सफर करते हैं। इस फ्लाइट को पुनः शुरु कराने के लिए कारोबारी लगातार प्रयास कर रहे थे। सूत्रों का कहना है कि इस उड़ान के अगस्त के दूसरे पखवाड़े से पुनः शुरु होने की संभावना है। ऑनलाइन इंक्वायरी में इसका शेड्यूल भी 16 अगस्त से दिखाने लगा है। नए शेड्यूल के अनुसार यह फ्लाइट दोपहर 12 बजे रायपुर से टेकऑफ होकर 1.25 बजे प्रयागराज पहुंचेगी। इसके बाद दोपहर 1.50 बजे वहां से उड़ान भरकर 3.20 बजे रायपुर में लैंड होगी। इस फ्लाइट का संचालन नियमित रुप से किया जाएगा।

अयोध्या की डिमांड

प्रयागराज की इस बंद उड़ान को शुरु करने के साथ जनप्रतिनिधि रामलला की स्थापना के बाद रायपुर से अयोध्या के लिए सीधी उड़ान शुरु करने की मांग कर रहे हैं। इसे लेकर केंद्रीय विमानन मंत्री को कुछ समय पहले पत्र भी प्रेषित किया गया था। छत्तीसगढ़ से राममंदिर दर्शन के लिए बड़ी संख्या में यात्री अयोध्या जाते हैं इसके लिए उन्हें दूसरे शहरों का के लिए संचालित होने वाली फ्लाइट का उपयोग करना पड़ता है जिसके लिए पैसे भी अधिक खर्च करने पड़ते हैं।

समर शेड्यूल में नहीं मिली थी फ्लाइट

स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट से नए शहरों के लिए उड़ान संचालित करने की डिमांड काफी समय से की जा रही है मगर इस पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। इस पर भी जयपुर, रांची सहित विभिन्न शहरों के लिए भेजे गए प्रस्ताव को एक किनारे कर दिया गया था। इसके लिए पुराने शहरों के लिए भी फ्लाइट की संख्या बढ़ाने के प्रस्ताव पर गंभीरता नहीं दिखाई गई थी। समर शेड्यूल में केवल रायपुर-जगदलपुर के बीच यात्रियों को दूसरी फ्लाइट का विकल्प मिला था।

फ्रिज में रखी बीयर पी, फिर आलमारी का ताला तोड़कर चोरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

पंडरी थाना क्षेत्र में रविवार दोपहर 2 से रात 8 बजे के बीच एक जमीन कारोबारी के सूने मकान में चोर दबिश देकर नकदी 10 हजार रुपए समेत सोने-चांदी के जेवर ले उड़े। मौके पर डॉग स्क्वाड तथा एफएसएल की टीम पहुंची और जांच में जुट गई। वारदात के तरीके को ⏭शेष पेज 13 पर

- घटना रविवार को दोपहर 2 से 8 बजे के बीच पंडरी थाना क्षेत्र की

गला तर किया, खाना भी खाया

घटनास्थल पर जांच करने पुलिस पहुंची तो उन्हें जानकारी मिली कि घर में चोरी करने आने वाले चोर फ्रिज में रखी चार बोतल बीयर गटकी, साथ ही किचन तथा फ्रिज के अंदर रखे भोजन को गैस चूल्हे पर गरम कर खाया। बीयर पीने तथा खाना खाने के बाद चोरों ने इत्मीनान से वारदात को अंजाम दिया। ⏭शेष पेज 13 पर

पाठक सूचना

हरिभूमि के सुधि पाठकों को

अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें

9827555678, 8224868411

चकल्लस

चेहरे पर चुनावी चमक...

पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान लगभग आधा दर्जन से अधिक उपचुनाव विभिन्न कारणों से हुए। अब लोगों का मानना है कि छठवीं विधानसभा में लोकसभा चुनाव के बाद चार उपचुनाव होना तय है। कितने उपचुनाव होंगे, इसे लेकर दोनों प्रमुख दलों के अपने-अपने दावे हैं। दावों के बीच उन सीटों के नेताओं में गजब का उत्साह देखने को मिल रहा है। वे पूछ रहे हैं कि फलां नेता जीत रहे हैं कि नहीं। पिछले कई चुनाव में वहां से जीतने के कारण नए लोगों को मौका नहीं मिल पा रहा है, ऐसे में यह तय है कि उनके उत्तराधिकारी अब चुने जाएंगे। फिलहाल चुनाव परिणाम आने के बाद तय होगा कि कितनी जगह उपचुनाव होंगे।

टीआई की पिटाई

रायपुर के एक टीआई के चेहरे की चोट को लेकर अफवाहों का बाजार गर्म है। खबरी बता रहा था कि टीआई साहब ऐसे वैसे मामले में नहीं पिटे हैं लेकिन पिट गए हैं यह पक्की खबर है। थाने में भीड़ को कंट्रोल कर रहे थे, एक सनकी टाइप के आदमी ने अचानक दो चार घूसे जमा दिए। उसके निशान अब तक चेहरे पर हैं। लेकिन उसके बाद टीआई साहब ने अपना हिसाब किताब चुकता कर लिया है। मतलब ठीक ठाक तरीके से। ज्यादा बताना ठीक नहीं है...बाकी आप समझदार हैं।

क्या फिर से होगा बदलाव...

चिकित्सा शिक्षा संचालनालय में आचार संहिता शिथिल होने के बाद एक बार फिर बदलाव होने की उम्मीद लगाई जा रही है। पिछले दिनों डीएमई के सेवानिवृत्त होने के बाद जगदलपुर मेडिकल कॉलेज डीन को इसकी जिम्मेदारी अस्थायी रूप से दी गई। इसकी वजह से इस पद के लिए दावेदारी करने वाले कई वरिष्ठ चिकित्सक अपना जुगाड़ जमाने के प्रयास में लगे हुए हैं। इनमें रायपुर के शासकीय मेडिकल कॉलेज में डीन स्तर के एक विभागाध्यक्ष का नाम भी शामिल है।

एक अनार सौ बीमार ...

एक अनार सौ बीमार... यह उक्ति लोकसभा इलेक्शन के बाद शहर के खास इलाके के एमएलए की सीट को लेकर चरितार्थ होने वाली है। पोजीशन और अपोजिशन, दोनों की पार्टियों में इकलौती सीट के टिकट के दावेदार कुलबुलाने लगे हैं। कुछ दावेदार तो फोन पर फोन कर ये बताते नहीं थक रहे कि इस बार वे भैया की जगह एमएलए का चुनाव लड़ रहे हैं। सो आपके जो भी कांटेक्ट में हैं, उनको बोल दीजिए, इस बार इधर नजर रखें। एक-दो कैंडिडेट उस केटेगरी के भी हैं, जिन्हें पिछली बार के इलेक्शन में टिकट मिलना तो दूर, नेताजी ने भाव तक नहीं दिया था। इतने में ही बात खत्म नहीं होती, अपोजिशन वाली मैडम भी बहती गंगा में हाथ धोने तैयार बैठी हैं।

पोरा बाई पार्ट टू

पोरा बाई याद है आपको? वही जो 2008 में माध्यमिक शिक्षा मंडल की परीक्षा में टॉपर बनी थी। स्टेट टॉप किया तो उसी गांव के लोगों ने बताया कि वह तो पढ़ने लिखने वाली लड़की ही नहीं है। तब के मंडल अध्यक्ष बीकेएस रे ने जांच कराई तो पता चला कि पोरा बाई उस लायक ही नहीं है। इस घटना के 16 साल बाद उससे भी बड़ा खुलासा हुआ है। पोरा बाई ने कम से कम परीक्षा तो दी थी। लेकिन संस्कृत बोर्ड की टॉपर ने तो परीक्षा दी ही नहीं। खबरी का कहना है कि मामला इतना ही नहीं है। ठीक से जांच हो जाए तो पार्ट टू, पार्ट थ्री से लेकर पार्ट टेन तक हो सकता है। मतलब आधे से ज्यादा टॉपरों की परीक्षा दूसरों ने दी हैं।

ऐसे हुआ संस्कृत बोर्ड का खुलासा

बिना परीक्षा दिए संस्कृत बोर्ड की टॉपर बनने का खुलासा आसान नहीं था। दरअसल जब मेरिट लिस्ट जारी हुई तो हरिभूमि ने दसवीं की टॉपर, मोहनमती को कॉल किया। उसने बताया कि वह 44 साल की है और अब आगे पढ़कर डॉक्टर बनना चाहती है। अब दो साल बारहवीं, उसके बाद नीट का एक्जाम और फिर नौ साल डाक्टरी की पढ़ाई। मतलब बात कुछ जमी नहीं। जब उससे फोटो मांगा गया तो उसने इनकार कर दिया। बोली मैं कीपैड वाला मोबाइल यूज नहीं करती। बस उसके बाद हमारे कान खड़े हुए और तहकीकात शुरू हुई। तीन दिन तक की दिक्कतों के बाद कहानी सामने आई।

ये तो और बड़े वाले निकले

पिछली सरकार में एक साहब ने नए-नए प्रयोग करके प्रदेशभर के शिक्षकों को हलाकान कर दिया था। रोज-रोज नए प्रयोग करते थे और फिर अपनी उपलब्धियां बताने फेसबुक पर लंबे-चौड़े लेख डाला करते थे। साहब ने स्वस्फूर्त इस्तीफा दिया तो प्रदेशभर के शिक्षकों में खुशी की लहर दौड़ आई कि चलो अब जान छूटी। इसके बाद जो नए साहब नई सरकार में आए हैं, वो तो और भी बड़े वाले निकले। मतलब गर्मी की छुट्टियां भी बर्बाद हो गई हैं। सुबह-शाम कैंप के चक्कर में शिक्षक हलाकान हो रहे हैं। आसमान से गिरे और खजूर पर अटके।

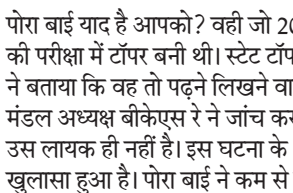

मुंह पर लगेगी लगाम...

छत्तीसगढ़ की विधानसभा में इस समय किसी मुद्दे पर जब बोलने की बारी आती है तो बड़ी संख्या में पक्ष-विपक्ष के विधायकों को बोलने का अवसर दिया जाता है। हालत ये है कि विधायक अपनी बात कहने की कोशिश में लंबी-लंबी बातें करते रहते हैं, लेकिन खबरी को पता है कि आने वाले समय में सत्ताधारी पक्ष की सियासत में बदलाव होना तय है। दरअसल लोकसभा के नतीजे आने के बाद नए मंत्री बनेंगे और दो दर्जन से अधिक संसदीय सचिव बनाए जा सकते हैं। जो विधायक संसदीय सचिव बनेंगे, उन्हें न सवाल पूछने का अवसर मिलेगा, न किसी सवाल का जवाब देने का। जाहिर है कईयों के मुंह पर लगाम लग जाएगी।

जिया कुरैशी, सुरेंद्र शुक्ला, प्रदीप शर्मा, विकास शर्मा, रुचि वर्मा

सप्लायर-ठेकेदारों से जीएसटी का हिसाब-किताब ठीक से करने का फरमान

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

वित्त विभाग ने समस्त शासकीय विभागों को जारी किए निर्देश

वित्त विभाग ने केंद्रीय माल और सेवा कर अधिनियम एवं छत्तीसगढ़ माल और सेवा कर अधिनियम की धारा 51 के प्रावधानों के अनुसार शासकीय विभागों द्वारा की जाने वाले सामग्री खरीदी एवं सेवा प्राप्ति पर प्रदायकर्ताओं को तथा ठेकेदारों को किए जाने वाले भुगतान पर स्त्रोत पर कर की कटौती (जीएसटी-टीडीएस) के प्रावधानों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। वित्त विभाग द्वारा समस्त विभाग अध्यक्ष राजस्व मंडल, कमिश्नरों, विभागाध्यक्षों और कलेक्टरों को इस संबंध में जारी निर्देशों में कहा गया है कि शासकीय विभाग या स्थापना, स्थानीय प्राधिकारी, शासकीय अभिकरण, शासन के किसी भी डीडीओ द्वारा रुपए 2.5 लाख से अधिक भुगतान होने पर, 2 प्रतिशत की दर से स्त्रोत पर कटौती जीएसटी-टीडीएस किया जाना है। अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार सभी शासकीय विभागों तथा स्थानीय प्राधिकारियों को जीएसटी के अंतर्गत स्त्रोत पर कटौतीकर्ता के रूप में रजिस्ट्रेशन लिया जाना है। विभागों द्वारा खरीदी जाने वाली सामग्री, मशीन-उपकरण, फर्नीचर, स्टेशनरी अथवा अन्य कोई भी वस्तुएं, निर्माण कार्यों एवं ठेकों तथा ली जाने वाली किसी भी प्रकार की सेवाओं की राशि पर जीएसटी-टीडीएस करने के बाद के माह की 10 तारीख तक रिटर्न जीएसटीआर-07 में प्रस्तुत किया जाना है। कई विभागों, कार्यालयों द्वारा (जीएसटी-टीडीएस कटौती) के रूप में उक्त प्रावधानों के अंतर्गत जीएसटी पंजीयन नहीं लिया गया है तथा पंजीयन लेने वाले प्राधिकारियों द्वारा सही प्रकार से जीएसटी की स्त्रोत पर कटौती संबंधी प्रावधानों का पालन नहीं किया जा रहा है। इससे राज्य शासन को जीएसटी से प्राप्त होने वाले राजस्व की क्षति हो रही है।

स्त्रोत पर कटौती के प्रावधानों का हो पालन

इस संबंध में विभागों को निर्देशित किया गया है कि समस्त भुगतान कर्ता प्राधिकारियों, आहरण एवं संवितरण अधिकारियों द्वारा केंद्रीय एवं छत्तीसगढ़ माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 के अंतर्गत स्त्रोत पर कटौती के प्रावधानों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। यह भी सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी वस्तु अथवा सेवा प्रदायकर्ता द्वारा एक वित्तीय वर्ष के दौरान एक ही क्रय/सेवा आदेश के विरुद्ध पृथक-पृथक देयकों में राशि का विभाजन करते हुए जीएसटी की स्त्रोत पर कटौती के लिए निर्धारित 2.5 लाख की सीमा का उल्लंघन न हो।

सभी विभागों के डीडीओ दिए निर्देश

इसके साथ ही समस्त कोषालयों, उप कोषालयों, निर्माण विभागों, वन विभाग के भुगतान प्राधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि आहरण एवं संवितरण अधिकारियों द्वारा वस्तु एवं सेवा प्रदाय के भुगतान संबंधी प्रस्तुत देयकों में प्रदायकर्ताओं की जीएसटीआईएन को चिन्हांकित करने की व्यवस्था की जाए तथा देयकों के भुगतान के पूर्व यह भी सुनिश्चित किया जाए कि प्रदायकर्ता द्वारा दिया गया जीएसटीआईएन वर्तमान में सक्रिय/वैध हो।

चुनाव

ओडिशा की चुनावी जंग में छत्तीसगढ़ के भाजपा-कांग्रेस नेता, प्रचार में झोंकी ताकत

आडिशा में भी गूंज रहा छग का महतारी वंदन और 3000 रुपए क्विंटल धान

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में लोकसभा चुनाव संपन्न होने के बाद भाजपा नेता पड़ोसी राज्य ओडिशा के विधानसभा चुनाव और लोकसभा चुनाव में पार्टी के प्रचार में जुटे हुए हैं। भाजपा नेताओं ने यहां पर प्रचार के दौरान छत्तीसगढ़ की साय सरकार द्वारा मोदी की गारंटी पूरी करने का भरोसा दिला रहे हैं। ओडिशा में भी भाजपाई धान की कीमत 3100 रुपए क्विंटल देने और महतारी वंदन की तरह 50 हजार का वाउचर देने की योजना को प्रचारित कर रहे हैं। वहीं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डॉ. चरणदास महंत भी ओडिशा चुनाव प्रचार में हिस्सा लेने जाएंगे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव, मंत्री बृजमोहन अग्रवाल, प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष शिवरतन शर्मा, ओडिशा प्रदेश की सह प्रभारी व वरिष्ठ विधायक लता उसेंडी, धरमलाल कौशिक, विधायक राजेश मूणत, उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा, प्रेमप्रकाश पांडेय समेत संगठन के कई पदाधिकारी यहां प्रचार के लिए पहुंचे हैं। ओडिशा में 13 मई से लेकर 1 जून तक 4 चरणों में मतदान होगा। यहां पर राज्य विधानसभा चुनाव में भी भाजपा ने सभी सीटों पर प्रत्याशी खड़े किए हैं। राज्य के नेताओं को अलग-अलग लोकसभा और उनमें आने वाले विधानसभा क्षेत्रों की जिम्मेदारी दी गई है। करीब एक सप्ताह से यहां नेताओं का आना-जाना लगा है।

ओडिशा में बनाएं डबल इंजन की सरकार : साय

ओडिशा के संबलपुर लोकसभा के कुचिंदा पहुंचे मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बीजेडी सरकार को आड़े हाथों लिया और डबल इंजन सरकार बनाने का आग्रह करते हुए भाजपा प्रत्याशियों के लिए वोट मांगे। उन्होंने केंद्र सरकार की आयुष्मान भारत योजना का लाभ आम आदमी को न मिलने का आरोप लगाया और कहा, बीजेडी सरकार ने केंद्र की योजना का नाम बदलकर बीजू स्वास्थ्य योजना कर दिया, लेकिन राज्य के प्राइवेट हॉस्पिटल में इसका लाभ गरीबों को नहीं मिलता है। यह दुर्भाग्यजनक है। ओडिशा में पीएम आवास योजना को ठीक से लागू नहीं करने का आरोप भी लगाया।

पार्टी के पक्ष में माहौल : किरण

प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने ओडिशा की लोकसभा सीट बरगढ़ में प्रचार किया। उन्होंने बताया कि यहां पर भाजपा के पक्ष में माहौल है।छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र आज विकास के अगले दौर में प्रवेश कर चुके हैं, जबकि बीजेडी एक ऐसी भ्रष्ट राजनीतिक पार्टी है, जो केवल एक परिवार के विकास की बात करती है और लगातार ढाई दशकों तक ओडिशा के लोगों का शोषण कर रही है। जनता इस बार भाजपा को जिताने जा रही है।

भाजपा ही बदलेगी तस्वीर : शिवरतन

छत्तीसगढ़ भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष शिवरतन शर्मा ने संबलपुर लोकसभा प्रत्याशी धर्मेंद्र प्रधान के पक्ष में चुनाव अभियान में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा, पार्टी के पक्ष में अच्छा माहौल देखने को मिल रहा है। लोगों को विश्वास होने लगा है कि भाजपा ही ओडिशा की तस्वीर बदल सकती है।

भूपेश जाएंगे हिमाचल-बिहार

उत्तरप्रदेश के रायबरेली में सीनियर आब्जर्वर के रूप में चुनाव प्रचार कर लौटे पूर्व सीएम भूपेश बघेल छठवें और सातवें चरण के चुनाव प्रचार में हिस्सा लेने हिमाचल प्रदेश और बिहार की कुछ लोकसभा सीटों के लिए प्रचार करने जाएंगे।

महंत जाएंगे ओडिशा

ओडिशा में चुनाव प्रचार के लिए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डॉ. चरणदास महंत भी रवाना हो गए हैं। वे छत्तीसगढ़ का चुनाव खत्म होने के बाद हरियाणा चुनाव प्रचार के लिए गए थे। वहां से लौटने के बाद अब ओडिशा पर फोकस करेंगे। यहां वे कांग्रेस प्रत्याशियों के लिए विधानसभा और लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार करेंगे।

सैलजा पर लगाए आरोप, छत्तीसगढ़ के भाजपा नेताओं को मानहानि का नोटिस

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

हरियाणा के सिरसा लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी अशोक तंवर के पक्ष में प्रचार करने पूर्व विधायक शिशुपाल सोरी, चंद्रशेखर शुक्ला व डॉ. चौलेश्वर चंद्राकर, पूर्व मेयर वाणी राव ने प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से प्रदेश कांग्रेस प्रभारी रहीं कुमारी सैलजा पर कई आरोप लगाए हैं, जिसके बाद हरियाणा की राजनीति गर्म हो गई है। पूर्व विधायक शिशुपाल सोरी व पूर्व विधायक प्रमोद शर्मा ने कहा था, कांग्रेस में टिकट की खरीदी-बिक्री का कारोबार लंबे समय से अनवरत चल रहा है, इस पर अंकुश लगने के बजाय दिल्ली दरबार से इसे प्रोत्सहित किया जा रहा है। जिस तरह से छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में कांग्रेस में टिकट वितरण नहीं, बल्कि खरीद-बिक्री का कारोबार हुआ था। कुमारी सैलजा पर तमाम तरह के आरोप लगाने के बाद पूर्व कांग्रेसी एवं वर्तमान में भाजपा में शामिल हो चुके 11 नेताओं को मानहानि का नोटिस डॉ. अजय चौधरी ने भेजा है। डॉ. चौधरी कुमारी सैलजा के समर्थक हैं। उन्होंने नोटिस भेजकर सार्वजनिक तौर पर माफी मांगने को कहा है, अन्यथा कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी है। विदित हो कि सिरसा लोकसभा में अजय बंसल, अरुण सिंह, शंकर लाल साहू, अनिता रावटे, तुलसी साहू, सुरेश यादव, ईशांत वैष्णव, अलोक पाण्डेय सहित पार्टी कार्यकर्ता व पदाधिकारी लगातार जनसंपर्क अभियान चला रहे हैं। उल्लेखनीय है कि यहां जो भाजपा नेता प्रचार के लिए पहुंचे हैं, वे पूर्व में कांग्रेस में थे। कांग्रेस छोड़ भाजपा में शामिल होने के बाद सभी ने पूर्व प्रदेश प्रभारी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।

■ कुमारी सैलजा के समर्थक ने 11 नेताओं को भेजा कानूनी नोटिस

सिरसा में सैलजा का प्रचार करेंगे मरकाम

वहीं पूर्व पीसीसी अध्यक्ष मोहन मरकाम सिरसा पहुंच गए हैं। वहां वे भाजपा नेताओं के आरोपों का जवाब देने का प्रयास करेंगे।

आधुनिक जीवनशैली की बीमारियों से मुक्त करने का कारगर माध्यम है योग

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

आधुनिक जीवनशैली की बीमारी मोटापा, बीपी-शुगर से मुक्त रहने का कारगर माध्यम योग है। इसे दिनचर्या में शामिल करने लोगों को जागरूक करने की आवश्यकता है। एम्स में आयोजित योगोत्सव-2024 में चिकित्सकों के साथ पुलिस अधिकारियों ने योग के आसन सीखे। योग को दैनिक दिनचर्या में प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान की ओर से विशेष आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न योगासनों की मदद से आधुनिक जीवनशैली की कई बीमारियों को दूर करने के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। 'योगोत्सव-2024' में प्रमुख रूप से विभिन्न प्रकार के आसनों से शरीर को मजबूत बनाने, प्राणायाम की मदद से ऑक्सीजन लेकर खुद को तनावमुक्त करने और शरीर को स्वस्थ रखने की विभिन्न विधाओं के बारे में विस्तार से बताया गया। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक अशोक जिंदल ने कहा कि स्वस्थ रहने में योग का महत्वपूर्ण योगदान है। योग किसी भी आयुवर्ग में किया जा सकता है। इससे स्वास्थ्य चुनौतियों का आसानी के साथ मुकाबला संभव है।

■ एम्स में योगोत्सव-2024, चिकित्सकों, पुलिस अफसरों ने सीखे आसन

कई बीमारियों का इलाज संभव

मेडिकल ऑफिसर (योग) डॉ. विक्रम पई ने कहा कि योग पर निरंतर शोध और अनुसंधान से सिद्ध हुआ है कि कई बीमारियों का कारगर इलाज योग के माध्यम से संभव है। योग के माध्यम से तंदुरुस्त शरीर के साथ रोग प्रतिरोधक क्षमता में बढ़ोतरी होती है। कार्यक्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह, आयुष के संयुक्त निदेशक सुनील दास, विवेक भारती, अधिष्ठाता (शैक्षणिक) प्रो. आलोक अग्रवाल, प्रो. रेनू अग्रवाल, चिकित्सा अधीक्षक रेणु राजगोपाल के विभिन्न चिकित्सक, पुलिस अधिकारियों, सीफेट और आयुर्वेद कॉलेज से आए प्रतिभागियों ने भाग लिया।

आज से निकाली जाएगी पहले चरण की लॉटरी, मई अंत तक पूरी होगी प्रक्रिया

आरटीई की 52 हजार सीटों के लिए 75 हजार अर्जी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेश में शिक्षा के अधिकार के अंतर्गत निजी स्कूलों में प्रवेश संबंधित प्रक्रिया आज से प्रारंभ हो जाएगी। पहले चरण की लॉटरी 20 से 30 मई तक निकाली जाएगी। इसके लिए लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा बीते वर्ष 19 दिसंबर को ही अधिसूचना जारी कर दी गई थी। जिन छात्रों के नाम निकाली जाने वाली लॉटरी में आएंगे, उन्हें 1 से 30 जून तक का समय संबंधित विद्यालय में प्रवेश के लिए दिया जाएगा। इसके बाद दूसरे चरण की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी जाएगी। तय तिथि में प्रवेश नहीं लेने वाले विद्यार्थियों की सीटें लैप्स हो जाएंगी। पोर्टल में दर्ज की गई एंट्री के अनुसार, प्रदेश में शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए आरटीई के अंतर्गत 6 हजार 554 स्कूलों ने पंजीयन कराया है। इन स्कूलों में आरटीई की 52 हजार 782 सीटें हैं। इसके लिए 74 हजार 588 आवेदन प्राप्त हुए हैं। विभाग द्वारा कोशिश की जा रही है कि जुलाई अंत तक प्रवेश संबंधित प्रक्रिया पूर्ण हो जाए, ताकि छात्रों की पढ़ाई प्रभावित ना हो। जिला शिक्षा कार्यालयों और कलेक्टर को पूर्व में ही दिशा-निर्देश दिए जा चुके हैं।

इस बार भी इंग्लिश माध्यम का क्रेज

हिंदी में दिलचस्पी नहीं

आरटीई नियमों के अंतर्गत निवास से निर्धारित दायरे के भीतर स्कूलों के लिए ही पालकों को आवेदन करना होता है। पिछले वर्षों की भांति इस बार भी पालकों की दिलचस्पी इंग्लिश माध्यम विद्यालयों में ही बनी हुई है। पहली प्राथमिकता के तौर पर पालक अंग्रेजी माध्यम का ही चुनाव कर रहे हैं। हिंदी माध्यम के रूप में बड़े निजी विद्यालयों को ही चुना जा रहा है। छोटे और मंझले हिंदी माध्यम के निजी स्कूल का चयन कम ही पालकों द्वारा किया जा रहा है। बीते सत्रों में भी इंग्लिश माध्यम विद्यालय की सीटें भर गई थीं, जबकि हिंदी माध्यम की सीटें रिक्त रह गई थीं।

दो बार होगा भौतिक सत्यापन

आरटीई के अंतर्गत लॉटरी प्रक्रिया प्रारंभ होने के पूर्व स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा समस्त जिला कलेक्टर के लिए आदेश जारी किए गए थे। इसमें उन्हें आरटीई के अंतर्गत प्रवेश प्राप्त करने वाले छात्रों और उनके स्कूल छोड़ने के कारणों की समीक्षा करने कहा गया था। इसके अलावा नए सत्र से दो बार स्कूलों में इस बात का भौतिक सत्यापन होगा कि जिन छात्रों ने संबंधित स्कूलों में दाखिला लिया था, वे वहां नियमित रूप से अध्ययनरत हैं अथवा नहीं। डीपीआई द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, दूसरे चरण के लिए आवेदन 1 से 8 जुलाई तक मंगाए जाएंगे। दस्तावेजों के सत्यापन पश्चात 17 से 20 जुलाई तक लॉटरी निकाली जाएगी।

मूणत का पुरी में जनसंपर्क अभियान

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पूर्व मंत्री और विधायक राजेश मूणत ओडिशा के पुरी में पार्टी का प्रचार करने में दम-खम से जुटे हुए हैं। रविवार को श्री मूणत वहां आम कार्यकर्ता ही भांति भाजपा का संकल्प पत्र बांटते नजर आए। इस दौरान उनके साथ भाजपा के कई स्थानीय नेता भी मौजूद थे। गौरतलब है कि आज 20 मई को पुरी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैली और रोड शो है। पुरी लोकसभा सीट से भाजपा नेता संबित पात्रा और विधानसभा से जयंत कुमार कुमार सारंगी चुनावी मैदान में हैं। दोनों ही नेताओं के पक्ष में सुबह से शाम तक श्री मूणत लगातार प्रचार कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि भाजपा के कार्यकर्ता हर वार्ड और बूथ तक जाकर आम लोगों के साथ संवाद स्थापित कर रहे हैं। ओडिशा वालों को मोदी की गारंटी पर यकीन है।

उमसभरी गर्मी से पेट खराब होने की शिकायत, उल्टी-दस्त, कमजोरी भी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

प्रदेश में भले ही तेज गर्मी नहीं पड़ी हो, मगर उमस भरे माहौल में पेट खराब होने की शिकायतें बढ़ने लगी हैं। आंबेडकर और जिला अस्पताल में रोजाना बड़ी संख्या में ऐसे मरीज पहुंच रहे हैं, जिन्हें उल्टी-दस्त के साथ बुखार और कमजोरी की शिकायत भी है। चिकित्सकों के अनुसार खानपान में लापरवाही और उमस भरी गर्मी में खाली पेट घूमने की वजह से इस तरह की दिक्कतें आ रही हैं।

इस अप्रैल और मई के महीने में शहर के साथ राज्य में भी लू नहीं चली है, मगर समय-समय पर बदलने वाला मौसम लोगों को बीमार करने के लिए काफी रहा है। वर्तमान में बारिश के बाद निकली धूप की वजह से उमसभरी गर्मी हो रही है, इस दौरान खाने-पीने में किसी भी तरह की ऊंच-नीच लोगों को बीमार करने के लिए काफी है। सूत्रों के अनुसार पिछले कुछ दिनों से आंबेडकर और जिला अस्पताल के मेडिसिन विभाग में बड़ी संख्या में इस तरह की मौसम बीमारी की समस्या लेकर इलाज के लिए मरीज पहुंच रहे हैं। इनमें ज्यादातर की समस्या उल्टी-दस्त अथवा डिहाइड्रेशन की वजह से बुखार या कमजोरी होना है। चिकित्सकों का कहना है कि गर्मी के मौसम में बैक्टीरिया सक्रिय रहते हैं और बासी खाने-पीने की चीजों में पनपते हैं, इसके उपयोग से लोगों को इस तरह की समस्या आती है।

उमस जैसी गर्मी में बाहर घूमने की वजह से शरीर में पानी की कमी हो जाती है और कमजोरी तथा वायरल फीवर जैसी समस्या से लोग पीड़ित हो रहे हैं।

जिला और आंबेडकर अस्पताल में रोजाना बड़ी संख्या में उमड़ रहे मरीज

गन्ना रस, जलजीरा से जोखिम

चिकित्सकों के अनुसार गर्मी के दिनों में अक्सर बाजार में गन्ना रस, जलजीरा, खुली आइसक्रीम की दुकानें सजती हैं। इनका अधिक सेवन बीमारी का कारण बन सकता है। ज्यादातर ऐसी दुकानों में साफ-सफाई का ध्यान नहीं रखा जाता, जिसका उपयोग जोखिम का कारण बन सकता है। गर्मी में बीमारियों से बचने के लिए शरीर में पानी की कमी न हो, इसका ध्यान रखना जरूरी है।

बच्चों को अधिक समस्या

चिकित्सकों के अनुसार अधिक उम्र के लोग खानपान को लेकर सावधानी बरतते हैं, लेकिन छोटे बच्चों के बीमार होने का खतरा अधिक रहता है। कम आयु के लोगों में रोग प्रतिरोधक क्षमता भी कम होती है, इसलिए उन्हें लेकर अधिक सावधानी बरतने की आवश्यकता है। बैक्टीरिया की वजह से बच्चों में उल्टी-दस्त की शिकायत अधिक होती है, ऐसे में तत्काल चिकित्सकों की सलाह लेनी चाहिए।

दोनों अस्पतालों में रोज सौ मरीज

दोनों अस्पतालों के मेडिसिन विभाग की ओपीडी में रोजाना पांच सौ मरीज पहुंचते हैं, इनमें से सौ लोगों की समस्या मौसमी बीमारी की होती है। ज्यादातर मरीजों का इलाज लक्षण के आधार पर दवा देकर किया जाता है और कुछ मरीजों को स्लाइन चढ़ाने के लिए भर्ती करने की आवश्यकता भी होती है।

क्या कहते हैं चिकित्सक

गर्मी के मौसम में बैक्टीरिया के सक्रिय होने की वजह से उल्टी-दस्त की समस्या बढ़ जाती है। इसके मरीज रोजाना अस्पताल पहुंच रहे हैं। गर्मी में खानपान को लेकर विशेष ध्यान देने की जरूरत है।

- डॉ. आरएल खरे
विशेषज्ञ, आंबेडकर अस्पताल

बच्चों का इम्युनिटी पॉवर कमजोर होता है, इसलिए उनके स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। बच्चों के साथ बड़े भी मौसमी बीमारी से पीड़ित होकर अस्पताल पहुंच रहे हैं।

- डॉ. निलय मोझरकर
शिशुरोग विशेषज्ञ, जिला अस्पताल

खबर संक्षेप

पद्मश्री रामलाल का अभिनंदन करेगा धोबी समाज

रायपुर। प्रसिद्ध नर्तक रामलाल बरेठ को पद्मश्री सम्मान दिए जाने पर केंद्र सरकार और राज्य सरकार का धोबी समाज ने आभार जताया है। इसी दौरान समाज के पदाधिकारियों ने प्रदेशाध्यक्ष सूरज निर्मलकर के निर्देश पर श्री बरेठ का सम्मान करते हुए आमंत्रण पत्र सौंपा। समाज ने राजधानी के नातिन धोबिन दाई परिसर बोरियाखुर्द में अधिवेशन आयोजित कर अभिनंदन करने का निर्णय लिया है। समाज के महानगर अध्यक्ष वरुण निर्मलकर ने बताया कि यह कार्यक्रम 10 जून को होगा। इस अवसर पर पवन निर्मलकर, जगमोहन निर्मलकर, गोपाल निर्मलकर, चैतराम निर्मलकर, घनश्याम चौधरी, रामायण रजक, हेमंत निर्मलकर, मधु निर्मलकर आदि उपस्थित रहे।

प्राची को पीएचडी

रायपुर। रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय धनेली ने प्राची अनर्थ को पीएचडी की उपाधि प्रदान की है। उन्हें 'शिक्षा' विषय पर पीएचडी मिली है।

उन्होंने रायपुर जिले के उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की आधुनिकता के प्रति अभिवृत्ति का उनकी अध्ययन आदतों पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन किया है। उन्होंने संपूर्ण शोधकार्य शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अभिषेक श्रीवास्तव के निर्देशन में पूरा किया है।

शपथ पत्र

मैं शपथकर्ती रीतू पिता जय प्रकाश निर्मलकर निवासी ग्राम मलौद, तहसील धरसींवा, जिला रायपुर छ.ग. की हूं जो कि शपथपूर्वक कथन प्रस्तुत करती हूं कि:-

1. यह कि मेरे आई.डी.बी.आई बचत बैंक पासबुक शाखा सिलियारी, तहसील धरसींवा जिला रायपुर छ.ग. में मेरा नाम RITU NIRMALKAR के नाम से एक बचत खाता क्र. 118910400072742 है।
2. यह कि उक्त बैंक के मेरा खाते में मेरे नाम से सरनेम त्रुटिवश दर्ज हो गया है, मेरा सरनेम NIRMALKAR है, जो कि मेरे सभी शासकीय दस्तावेजों में आधार एवं पैन कार्ड में उल्लेखित नहीं है जो कि सत्य एवं सही है।
3. यह कि मेरा नाम आधार कार्ड एवं पैन कार्ड, परिचय पत्र में RITU दर्ज है, जो कि सत्य एवं सही है। उक्त अनुसार मेरे पासबुक में मेरा नाम RITU NIRMALKAR दर्ज हो गया है, जिसे सुधारकर उक्त खाते के खातेधारक का सरनेम को विलोपित किये जाने हेतु निष्पादित किया हूं। जो कि दोनों नाम मेरे एवं एक ही व्यक्ति के है।
4. यह कि उक्त खाते में मेरे नाम से सरनेम विलोपित करने हेतु यह शपथ पत्र निष्पादित की हूं।

शपथकर्ती

सत्यापन

मैं शपथकर्ती रीतू पिता जय प्रकाश निर्मलकर निवासी ग्राम मलौद, तहसील धरसींवा, जिला रायपुर छ.ग. उपरोक्त शपथकर्ता शपथपूर्वक कथन करता हूं कि उक्त शपथ पत्र की कंडिका 01 से 04 तक मेरी निजी जानकारी से सत्य एवं सही है।

शपथकर्ती

स्थान- धरसींवा
दिनांक 19/04/2024

सड़कों, चौक-चौराहों पर अवैध ठेले, गुमटियों की भरमार, निगम प्रशासन बेपरवाह

7000 पंजीकृत, वेंडिंग जोन के लिए 63 स्थान चिन्हांकित, दो साल में बने सिर्फ चार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रायपुर शहर में फुटकर ठेले, गुमटी और फेरीवालों के लिए टाउन वेंडिंग कमेटी ने 70 वार्डों में सर्वे कराने के बाद 64 वेंडिंग जोन तय किए थे। कमेटी के आदेश पर इनमें से 23 स्थान वेंडिंग जोन के लिए चिन्हांकित किए गए, पर केवल 4 जगहों पर ही वेंडिंग जोन इस समय सुव्यवस्थित रूप से संचालित है। बाकी 19 जगहों पर आज तक वेंडिंग जोन शुरू नहीं हो पाए। इसके चलते शहर में अवैध ठेले और गुमटियों की भरमार ने शहर की ट्रैफिक व्यवस्था की बखिया उधेड़कर रख दी है। प्रशासन और नगर निगम 2 साल बाद भी इस खामी को सुधार नहीं पाए।

राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के तहत फुटकर वेंडरों की स्थिति जानने 2 साल पहले शहरभर में सर्वे कराया गया, जिसमें 7 हजार वेंडर चिन्हांकित किए गए। इसके बाद नगर निगम के 70 वार्डों में नगर वेंडिंग कमेटी की सिफारिश के बाद इन वेंडरों के लिए 63 जगह वेंडिंग जोन बनाने का निर्णय लिया गया। कमेटी से 23 जगहों पर वेंडिंग जोन बनाने का आदेश होने के बाद भी मात्र 4 जगहों पर वेंडिंग जोन शुरू हो पाए। 19 स्पॉट पर वेंडिंग जोन फाइल से बाहर नहीं निकल पाए हैं। 4 जगहों में से ईदगाहभाठा जोन कार्यालय से आरकेसी गेट तक, केनाल रोड के बाजू अहिल्या बाई चौक, मोवा ओवरब्रिज के नीचे सहित एक अन्य जगह पर वेंडिंग जोन शुरू हो पाए हैं।

साल पहले नगर निगम ने जोनवार कराया था सर्वे | वेंडरों को सुव्यवस्थित जगह उपलब्ध नहीं, ट्रैफिक जाम से जनता परेशान

पीपीपी मोड पर 4 जगहों पर वेंडिंग जोन

राजधानी में 4 जगहों पर प्रथम चरण में पीपीपी मोड पर वेंडिंग जोन बनाए जाएंगे। इसमें वाई-फाई और चार्जिंग पाइंट की सुविधा लोगों को मिलेगी। योजना के मुताबिक वेंडिंग जोन में रोशनी के लिए सोलर लाइट का इस्तेमाल किया जाएगा। भुवनेश्वर शहर की तर्ज पर ये वेंडिंग जोन गांधी उद्यान के समीप, टिकरापारा में पुजारी पार्क के पास, जब्बार नाला के पास पाम ब्लाजियो के नजदीक की जगह और बूढ़ापारा धरनास्थल की खाली जगह को इसके लिए चिन्हांकित किया गया है। निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा के मुताबिक जीरो बजट पर शहर में स्ट्रीट वेंडिंग जोन का कंसेप्ट है। इसमें विज्ञापन एजेंसी संबंधित स्पॉट पर विज्ञापन बोर्ड लगाकर खर्च वहन करेगी, वेंडिग जोन के रंग में एकरूपता रहेगी।

इन जगहों पर होने थे वेंडिंग जोन	संख्या
सिंधी मार्केट मौदहापारा गली नंबर 1- लक्ष्मी स्टेशनरी गली	18
सिंधी मार्केट मौदहापारा गली नंबर 2-पंजाब एंड सिंध बैंक गली	20
गली नंबर 3 मौदहापारा थाना के सामने	20
गली नंबर 4 गुजराती गेस्ट हाउस	22
केनाल रोड के बाजू अहिल्या बाई होल्कर चौक	17
कैलाशपुरी ढाल से मारवाड़ी श्मशानघाट मार्ग	30-35
ईदगाहभाठा जोन 5 कार्यालय के पास आरकेसी गेट से सुलभ तक सड़क के दोनों ओर	0-20
भाठागांव नाका चौक से ऑटो स्टेंड के पास	13
मठपुरैना त्रिमूर्ति मंदिर के सामने	13
छत्तीसगढ़ बोर्ड आफिस के पास टैगोरनगर	13
हीरापुर बाजार पानी टंकी के पास	15
रायपुरा विसर्जन कुंड के पास दोनों ओर	20 - 30
एक्सप्रेस-वे तेलीबांधा थाना रोड से शीतला माता नर्सरी एक्सप्रेस-वे हाईवे के नीचे	80
भनपुरी थाने के पास	12
खमतराई एचटीपी प्लांट के पास पौनी पसारी स्थल पर	35
खमतराई ओवरब्रिज के नीचे	10
गुढ़ियारी पड़ाव	45
गोंदवारा अंडरब्रिज स्थित पीडब्लूडी निर्मित गार्डन के पास	30
मोवा ओवरब्रिज के नीचे एक तरफ	12
मोवा ओवरब्रिज के नीचे दूसरी तरफ	12
एलआईसी के बाजू में एक्सप्रेस-वे किनारे	50
एक्सप्रेस ओवरब्रिज के नीचे	50
एक्सप्रेस-वे और बलौदाबाजार रोड जंक्शन पर सड़क किनारे	50

मेटल पार्क में अधूरी-टूटी नालियों ने बिगाड़ी वार्ड की व्यवस्था, अब सड़क पर फैली गंदगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

15 साल पुरानी बसाहट के बीच निगम के जिम्मेदारों ने पानी निकासी के लिए नालियों का निर्माण नहीं करवााया है। इससे 4 हजार से ज्यादा आबादी के बीच मेटल पार्क वार्ड में व्यवस्था बिगड़ने लगी है। कुछ साल पहले तक आसपास के खाली प्लाटों में पानी जाने से सामान्य दिनों में सड़क तक घरों की गंदगी नहीं पहुंचती थी। अब अधूरी-टूटी नालियों के कारण सिवरेज लाइन का गंदा पानी ओवरफ्लो होने से लोगों की आवाजाही के लिए बनवाई गई सड़क पर जमा होने लगा है। बारिश शुरू होने से पहले अव्यवस्था को देखते हुए लोगों को जलभराव की चिंता सताने लगी है।

वैसे तो बिरगांव के कई वार्डों में अधूरी नाली निर्माण के चलते पानी निकासी की समस्या बारिश के दिनों में होती है। इस बार मेटल पार्क इलाके में गर्मी में ही लोगों के घरों का गंदा पानी सड़क पर जमा होने लगा है। इसे देखते हुए वार्ड क्रमांक 9 के लोगों ने चार दिन पहले एमआईसी सदस्य इकराम अहमद को समस्या का निदान करवाने के लिए वार्ड का भ्रमण करवाया। इसके बाद भी किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं हुई है। इससे सोम कोल्ड के पिछे हिस्से में कई गलियों में लोगों के घरों से निकलने वाला गंदा पानी सड़क पर जमा होने लगा है। समय रहते पानी निकासी का इंतजाम नहीं करने पर बारिश के दिनों में जलभराव की समस्या होने वाली है। इस क्षेत्र से होते हुए लोग शीतला माता मंदिर आते-जाते हैं। पैदल आने-जाने वाले लोगों को ज्यादा परेशानी होती है।

जांच के बाद करेंगे कार्रवाई

जिस क्षेत्र की समस्या बता रहे हैं, वहां 25 से 30 हजार का काम होगा, तो जांच करवाने के बाद तुरंत कार्रवाई की जाएगी। इससे ज्यादा खर्च की स्थिति बनने पर जानकारी लेने के बाद प्रक्रिया की जाएगी।

- दीपक खांडे, मुख्य अभियंता, पीडब्ल्यूडी, ननि बिरगांव

वन बल में 21 साल बाद वृद्धि का प्रस्ताव, 2955 नए पद मांगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- सेटअप कम होने से हाथी प्रबंधन से लेकर वन अपराध रोकना चुनौती

वन मुख्यालय ने राज्य शासन को वन अमले में 21 साल बाद सेटअप रिव्यू का प्रस्ताव भेजा है। एसीएस वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग को भेजे गए पत्र में उल्लेख किया गया है कि विभागीय कामकाज में असंतुलन का सामना करना पड़ रहा है, इसलिए सेटअप रिव्यू आवश्यक हो गया है। पूर्व में भेजे गए प्रस्ताव के अनुसार 3243 पदों की वृद्धि मांगी गई थी। ये पद वन मुख्यालय, क्षेत्रीय कार्यालय, वन्यप्राणी, वन अनुसंधान संस्थान के सेटअप को शामिल करते हुए मांगे गए थे। इसे पुनः संशोधित कर कुल 2955 पदों का प्रस्ताव भेजा गया है।

गौरतलब है कि मुख्यालय सेटअप की स्वीकृति वर्ष 2001 में तथा मैदानी सेटअप की स्वीकृति

वर्ष 2003 में दी गई थी। इसके बाद से विभागीय सेटअप का पुनरीक्षण नहीं हुआ है। वन विभाग को छोड़ अन्य विभाग, जिसमें पंचायत सहित स्वास्थ्य, श्रम, पुलिस, महिला एवं बाल विकास, नगरीय प्रशासन विभाग में 300 से सौ प्रतिशत तक सेटअप की वृद्धि की गई है। बीते 21 सालों में वन विभाग में महज 0.25 प्रतिशत की वृद्धि की गई है।

राज्य के वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग में अन्य राज्यों की तुलना में कम अमला स्वीकृत है, जबकि राज्य का 44 प्रतिशत भू-भाग वनक्षेत्र है। राज्य के वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग में कई अन्य योजनाएं कैंपा, राष्ट्रीय बांस मिशन, संयुक्त वन प्रबंधन, वन विकास अभिकरण, ग्रीन इंडिया मिशन, मनरेगा, जनसूचना चालू होने के कारण कार्यभार में वृद्धि हुई है।

सेटअप पुनरीक्षण एक दशक से लंबित

गौरतलब है कि विभाग का सेटअप पुनरीक्षण वर्ष 2010 से विचाराधीन है। इस संबंध में वित्त विभाग के अधिकारियों के साथ कई बार बैठकें हो चुकी हैं। बावजूद इसके सेटअप पुनरीक्षण प्रस्ताव का अनुमोदन नहीं हो पाया है।

सेटअप कम, वन अपराध पर अंकुश नहीं

सेटअप कम होने की वजह से वन अपराध पर अंकुश लगाना वन अफसरों के लिए एक बड़ी चुनौती है। साथ ही राज्य के ज्यादातर जिले हाथी प्रभावित हैं। ऐसे में हाथी प्रबंधन को लेकर एक अलग से सेटअप की जरूरत है। अमला कम होने की वजह से हाथी प्रबंधन से लेकर वनों में अवैध कब्जा रोकने का कार्य बुरी तरह से प्रभावित हो रहा है।

खाद्य कारोबारियों के लिए सशुल्क प्रशिक्षण अनिवार्य

रायपुर। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण द्वारा एक्ट के तहत खाद्य कारोबारियों के लिए सशुल्क प्रशिक्षण अनिवार्य किया गया है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी सर्वेश यादव ने बताया कि खाद्य कारोबारियों को खाद्य सुरक्षा विषय से संबंधित प्रशिक्षण देने एफएसएसआई नई दिल्ली ने 229 ट्रेनिंग पार्टनर को अधिकृत किया हुआ है। संबंधित संस्था निर्धारित शुल्क लेकर विभिन्न स्थानों पर ट्रेनिंग दे रहे हैं, जो प्रत्येक कारोबारी के लिए अनिवार्य है। ट्रेनिंग में कारोबार के प्रकार के आधार पर खाद्य प्रतिष्ठानों की डिजाइन एवं आवश्यक अधोसंरचना, अपनाई जाने वाली मानक संचालन प्रक्रिया, मेंटेनेंस और सेनेटाइजेशन, आडिट एवं प्रशिक्षण आदि की बारीकी से जानकारी दी जाती है।

आईवीएफ सेंटर मामला, जांच के बाद टीम सौंपेगी रिपोर्ट

रायपुर। आईवीएफ सेंटर में हुई मौत के मामले में लापरवाही की जांच कर रही स्वास्थ्य विभाग की टीम घटना के जुड़े कुछ लोगों के बयान दर्ज नहीं कर पाई है। कमेटी बयान लेने के बाद जल्दी अपनी जांच पूरी कर रिपोर्ट सीएमएचओ को सौंपेगी। कमेटी इस बारे में पतासाजी कर रही है कि नीलम साहू की मौत की वजह क्या है और इसमें लापरवाही क्या बरती गई है। महिला की सर्जरी करने के लिए निर्धारित मापदंडों को पूरा किया गया अथवा नहीं। पिछले माह नीलम की मौत के बाद उसके परिजनों ने आईवीएफ सेंटर पर बड़ी लापरवाही बरतने का आरोप लगाया था।

पेज 11 के शेष

टेंट में अहाता...

पाया गया। साथ ही जहां अहाते संचालित किए जा रहे हैं, उसके आसपास गंदगी पसरी मिली। शराब दुकान के आसपास साफ-सफाई को ध्यान में रखते हुए तथा शासन को अतिरिक्त राजस्व मिले, इस उद्देश्य से अहाते शुरू किए गए हैं। जिले में 56 शराब दुकानों में से 55 दुकानों के लिए अहाता संचालित करने ठेका दिया गया था, इनमें से पांच ठेकेदारों ने अहाता संचालित करने पैसे जमा नहीं किए, इस वजह से उनका ठेका निरस्त कर दिया गया।

प्रदेश में खुलेंगे...

के छात्रों को भी प्रवेश दिया जाएगा। अनुमति के लिए आवेदन करने वाले निजी महाविद्यालयों के अतिरिक्त पं.रविशंकर शुक्ल विवि में भी मौजूदा शैक्षणिक सत्र से चार वर्षीय इंटीग्रेटेड बीएड पाठ्यक्रम की शुरुआत की जा रही है।

फ्रिज में रखी...

देखते हुए चोरी की घटना में किसी अंतर्राज्यीय गैंग के हाथ होने की आशंका है। पुलिस के मुताबिक दुबे कॉलोनी निवासी पंकज चौधरी के निवास पर चोरी की घटना हुई है। घटना के समय पंकज अपने पूरे परिवार के साथ कोडार बांध घूमने गए थे। वापस लौटने के बाद ही उन्हें चोरी के बारे में जानकारी मिली। इसके बाद पंकज ने पुलिस को घटना की सूचना दी। पुलिस के अनुसार चोर मेनगेट की कुंडी को आरी से काटने के बाद घर के अंदर दाखिल हुए और आलमारी खोलकर लॉकर से नकदी सहित सोने-चांदी के जेवरों पर हाथ साफ कर दिए।

गला तर किया, खाना...

पुलिस को आशंका है कि दोपहर के समय गर्मी की वजह से लोग अपने घरों से निकलने से बचते हैं, इसे ध्यान में रखते हुए चोरों ने दोपहर में चोरी की घटना को अंजाम दिया होगा।

Health Town
डॉ. ठाकुर वुमन एंड चाइल्ड होम्योपैथिक क्लीनिक
Dr. Srishti Thakur
D/o Late Dr. Jitendra Thakur
For Appointment
7987959244
स्त्री रोग संबंधित समस्त समस्याएँ जैसे
PCOD | मासिक धर्म अनियमितता | अल्प स्त्राव मासिक | इनफर्टिलिटी | बच्चने दानी की गांठ | स्तन की गांठ
सभी प्रकार के शिशु एवं बाल रोग जैसे
ADHD | AUTISM | व्यवहारिक चिकित्सा
टांसिल उम्र के हिसाब से वजन कम होना दांत निकलते समय की परेशानी रात को बिस्तर गीला की बीमारी इत्यादि।
शॉप नं.1, गोपिया पारा चौक, पटेल कॉम्प्लेक्स, रायपुर
Online परामर्श उपलब्ध | दवाइयाँ कुरियर द्वारा भेजने की सुविधा
Maa Ad.

मूत्र किडनी एवं प्रोस्टेट
समस्त किडनी रोग गुर्दा, नेफ्रोलाजी किडनी में सुजन दर्द पेशाब कम होना या रूकावट जलन, सिरम क्रियेटिनिन, यूरिक एसिड, यूरिया का बढ़ना पैरो या आंखो में सूजन अगर डायलिसिस में चल रहे हो या किडनी बदलने कि नौबत आ गई हो तो इस चिकित्सा से जीवन बच सकता है, यह चिकित्सा किडनी के नेफ्रान्स सेल को पुनः एक्टीवेट (रिजनरेट) अर्थात् फिर से जीवन प्रदान करता है यूरेथ्रास्ट्रेक्चर (मूत्र नली का सिकुड़न) पेशाब न उतरना, बूंद बूंद टपकना या बन्द होना, आपरेशन कि आवश्यकता नहीं होती एवं पेशाब में जलन, पीला लालिमा रहना या खून या मवाद आना। प्रोस्टेट विकार बार बार पेशाब होना, बूंद-बूंद या रूकना, इसके कारण सेक्स में आई कमजोरी। समय : 11 से 3 बजे तक
जीवन ज्योति क्लीनिक
डॉ. आर अग्रवाल (हर्बल मेडिसीन) नया बस स्टैण्ड के अंदर, गोलू पोहा जलेबी होटल के ऊपर शॉप नं. 25 दुर्ग (छ.ग.)
स्थायी चिकित्सा परामर्श के लिए मिले मो. 7587099540 (आने से पहले फोन करें)

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771- 4242213, 7987119756, 9303508133

Education Time

MODEL ENGLISH HR. SEC. SCHOOL
"Education makes future better"
Special Discount on ADMISSION FEES
ADMISSION OPEN
Nursery to 12th
(Biology, Maths, Commerce)
Register Now
at www.mesraipur.com
Highlight
● Spoken English & Personality Development Classes ● Transport & Surveillance Facility ● Monthly Seminar & Discussion ● Personal attention on each students ● Scholarship will be provided for students coming from other schools who score above 90%
Civil lines, Katora Talab Road, Raipur (C.G.) Contact:- 07771-4000123

ROYAL PUBLIC SCHOOL
Play Group Nursery Pre Primary Class I to XII (Science, Commerce, Bio, Arts)
Special Discount on ADMISSION FEES
ADMISSION OPEN
Nursery to 12th
Register Now
at www.rpsraipur.com
Silent Features
● Extra curricular activities ● Personal attention to each student Limited student in each class ● Music, Dance, personality development classes ● Yoga ● Scholarship will be provided for students coming from other schools who score above 90%
Mathpurena, Chourasiya Colony, Raipur, (C. G.) Mo.:- 9589085558,9329621221, Email:- rpsraipur123@gmail.com

Eicher School Bus
ASSURANCE OF SUPERIOR SAFETY
• RELIABLE AND STRONG • NEXT GEN FEATURES
• BENCHMARK OF SAFETY • COMFORT & CONVENIENCE
EICHER PARTNERING PROSPERITY
GK Automotive Pvt Ltd
Opp. Kabir Nagar, Sondongri, Ring Road No.-2, Raipur (C.G.)
Mo.: 98268 97000
BRANCHES: DURG | RAJNANDGAON DHAMTARI | MAHASAMUND BALODA BAZAAR

Contact to Add Your School - 79871-19756

खबर संक्षेप

तिलक लगाकर किया परीक्षार्थियों का स्वागत

रायपुर। आदिम जाति, अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा संचालित प्रदेशभर के एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में कक्षा 6वीं में प्रवेश के लिए इंट्रेंस एग्जाम सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा के निर्देश एवं कड़ी निगरानी में सचिव नरेंद्र दुग्गा के मार्गदर्शन में परीक्षा का आयोजन किया गया। एकलव्य विद्यालय में प्रवेश के लिए हुई परीक्षा में 29 हजार 200 छात्र छात्राएं शामिल हुए, जबकि 35684 विद्यार्थियों ने पंजीयन कराया था, इसका प्रतिशत 81.83 रहा। परीक्षार्थियों का तिलक लगाकर स्वागत किया गया। परीक्षा परिणाम राज्य स्तर पर घोषित होगा और काउंसिलिंग पद्धति से प्रवेश दिया जाएगा। एकलव्य शाखा प्रभारी उपायुक्त प्रज्ञान सेठ द्वारा इस संबंध में आवश्यक लिखित निर्देश जारी कर अधिकारियों को कार्य सौंपे गए, जिससे परीक्षा सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

यादव समाज की बैठक में कई मुद्दों पर चर्चा

रायपुर। महादेवघाट रायपुरा स्थित यादव सामाजिक भवन में विगत दिनों छत्तीसगढ़ झेरिया यादव समाज से संबद्ध महानगर इकाई की बैठक हुई। इस बैठक में शहर जिला अध्यक्ष सुंदरलाल यादव ने कहा कि हिंदू रीति-रिवाज में विवाह के दौरान मौर सौंपने की परंपरा सालों से चली जा रही है। इस परंपरा को दूल्हे की सुहागिन माताओं के साथ अन्य सुहागिन रिश्तेदार महिलाएं निभाती हैं। विधवा माताओं को इस अधिकार से वंचित रखा गया है, लेकिन अब विधवा माताओं को भी दूल्हे पुत्र को मौर सौंपने का अधिकार दिया जाएगा। इसके अलावा समाज में किसी की मृत्यु होने पर कफन की जगह सहयोग राशि दी जाती है और मृत्युभोज स्वेच्छानुसार रखा गया है। इसी प्रकार कई शादी के नियमों को समाप्त किया गया। बैठक में परदेशीराम यादव, शत्रुघन यादव, प्रीतम यादव, मयाराम यादव, बैसाखू राम यादव, सुरेंद्र यादव, मतवारी यादव, नरेश यादव, रामस्वरूप यादव, लेखापाल, घुरूआराम यादव आदि उपस्थित रहे।

सभी स्वास्थ्य केंद्रों में खुलेंगे जनौषधि केंद्र

रायपुर। लोगों को सस्ते में दवा उपलब्ध कराने के लिए सभी स्वास्थ्य केंद्रों में जनौषधि केंद्र खोले जाएंगे। अभी इसकी सुविधा सभी सरकारी अस्पतालों में नहीं है। जनौषधि केंद्रों की संख्या बढ़ाने के लिए राज्य शासन की ओर से स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जनआरोग्य योजना के तहत राज्य में कुल 200 जनौषधि केंद्र खोले गए थे, जिसमें से कई दुकानों पर ताले लग गए थे। इन दुकानों को पुनः खुलवाने लगातार प्रयास किया जा रहा है और स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल की ओर से भी इस पर गंभीरता दिखाई गई है।

गांधी उद्यान अब नजर आ रहा बदला-बदला... मुख्यद्वार पर योग की झलक लुभा रही

बच्चों के लिए नए झूले, फिसलपट्टी भी, पेवर ब्लॉक, पाथ-वे पर हुआ काम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

अलग खबर

राजधानी के जीई रोड स्थित गांधी-नेहरू उद्यान का बदला हुआ स्वरूप शहरवासियों को इन दिनों आकर्षित कर रहा है। मुख्य द्वार पर नए रंगरोगन के साथ योग की विभिन्न मुद्राओं की झलक दर्शाते चित्र से सजाया गया है। साथ ही पुराने झूलों की जगह बच्चों के लिए नए झूले, फिसलपट्टी लगाए गए हैं। इसके साथ ही गार्डन में रोज सुबह-शाम आने वाले लोगों की सेहतमंदी को ध्यान में रखते हुए एक्सरसाइज के अलग-अलग तरह के इक्विपमेंट उपलब्ध कराए गए हैं।

नगर निगम द्वारा शहर के बगीचों के सौंदर्यीकरण कर उन्हें संरक्षित करने योजना बनाकर कार्य कराया जा रहा है। इसी कड़ी में शहर के पुराने व ऐतिहासिक गांधी उद्यान के पुराने स्वरूप को बरकरार रखते हुए आगंतुकों की सुविधा के लिए पाथ-वे पर नए पेवर ब्लॉक लगाने के साथ ही सोलर लाइट से उद्यान को जगमगाने की व्यवस्था की गई है। बुजुर्गों के लिए यहां बापू की कुटिया बनाई गई है, जिसका संचालन पंजाबी सनातन सभा द्वारा किया जा रहा है।

सभा के अध्यक्ष जवाहर खन्ना ने बताया, पिछले 5 साल से उनकी संस्था बापू की कुटिया का संचालन सुचारू रूप से करती आ रही है। वरिष्ठजनों के लिए यहां विभिन्न तरह के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है, जिसमें सदस्यों की सामूहिक सहभागिता रहती है। सेहत, मनोरंजन और पर्यावरण संरक्षण को लेकर भी जन जागरूकता कार्यक्रम किए जाते हैं।

योगा, मार्निंग और इवनिंग वॉक वाले भी

गांधी-नेहरू उद्यान में शांतिनगर, न्यू शांतिनगर, शंकर नगर, सिविल लाइंस, तेलीबांधा से भी लोग मार्निंग और इवनिंग वॉक करने आते हैं। वहीं योग के साधकों की टोली सामूहिक रूप से प्राणायाम, ध्यान, योगासन करने नियमित रूप से पहुंच रही है। उनका ये कहना है, शहर के प्राइम लोकेशन पर स्थित गांधी उद्यान से उनकी पुरानी यादें जुड़ी हुई हैं। पहले यहां बड़ी संख्या में लोग सुबह-शाम परिवार के साथ आते थे, पर अब उनकी संख्या पहले से कम हो गई है।

जल्द करेंगे पानी की व्यवस्था

गांधी उद्यान में लगाए गए पेड़-पौधों को सूखने से बचाने पानी की व्यवस्था कर रहे हैं। इसके लिए जल्द बोरवेल खनन कराया जाएगा। जी-20 मद में उद्यान का सौंदर्यीकरण कराया जा रहा है।

- राजेश शर्मा, अधीक्षण अभियंता, ननि रायपुर

गार्डन में पानी की समस्या, फूलदार पौधे कम

नगर निगम के इस उद्यान में सबसे बड़ी दिक्कत पानी की है। पूर्व में नगर निगम द्वारा यहां बोरवेल खनन कराया गया, पर पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं मिलने से बगीचे में लगाई गई घास और पेड़-पौधों की सिंचाई नियमित रूप से नहीं हो रही है। यहां फूलदार पौधों की कमी लोग महसूस कर रहे हैं। बगीचे के मध्य में लगाया गया फौवारा एक अरसे से बंद पड़ा है। वहीं कुछ पौधे ऐसे भी हैं, जो पानी की कमी से सूखने लगे हैं।

परसुलीडीह कॉलोनी में रोज 600 मकानों में 4 लाख लीटर पानी की आपूर्ति

हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में निगम की टंकी का पानी करोड़ों का टैक्स वसूलने अब हिसाब-किताब

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि सरोकार

नगर निगम सीमा तथा इससे बाहर बसी हाउसिंग बोर्ड की परसुलीडीह कॉलोनी में पानी की समस्या हर साल गर्मी में बनी रहती है। इस कॉलोनी में जोन-9 सीमा में सड्डू स्थित टंकी से पानी आपूर्ति की जाती है। करीब 10 साल पुरानी इस कॉलोनी में 600 मकानों में 4 लाख लीटर से ज्यादा पानी रोज सप्लाई किया जाता है, लेकिन निगम द्वारा इसे नया जोन बनाने के बाद से जलप्रदाय का टैक्स नहीं मिल रहा है। इसे देखते हुए मामले की जांच कराने के बाद निगम अब हाउसिंग बोर्ड को 5 करोड़ से ज्यादा का डिमांड नोटिस भेजने की तैयारी में है।

राजधानी में लोग नल की धार पतली होने, पेयजल की समस्या को लेकर टैक्स देने के बाद भी रोज निगम को कोस रहे हैं। इनमें सड्डू, मोवा और दलदल सिवनी क्षेत्र की बस्तियों में रहने वाले परिवार भी शामिल हैं। वहीं दूसरी तरफ विधानसभा व महालेखाकार दफ्तर तक रायपुर निगम द्वारा पेयजल आपूर्ति की जाती है। निगम सीमा के बाहर परसुलीडीह कॉलोनी में भी जोन की सड्डू स्थित पानी टंकी से आपूर्ति होती है। इसके बाद भी निगम को नया जोन बनने के बाद से हाउसिंग बोर्ड से जलप्रदाय के बदले टैक्स नहीं मिल रहा है। इसे देखते हुए अब जलप्रदाय के जिम्मेदारों ने टैक्स वसूलने के लिए 5 करोड़ से ज्यादा का डिमांड नोटिस देने से पहले बोर्ड से मामले में अनुबंध की जानकारी के साथ ही दिए गए जलकर की जानकारी भी लेने की बात कही है। इसमें कई प्रक्रियाओं की जांच भी होगी।

इस वजह से बने ऐसे हालात

परसुलीडीह स्थित हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी करीब 10 साल पुरानी बताई जा रही है। वहीं निगम द्वारा कराए गए परिसीमन के बाद जोन-2 और जोन -3 के 7 वार्डों को अलग किया गया। इसे नए जोन-9 में शामिल करने के बाद वहां कमिश्नरी शुरू की गई। करीब साढ़े 4 साल से जोन को हाउसिंग बोर्ड की पसुलीडीह कॉलोनी से जलप्रदाय का टैक्स नहीं मिल रहा है। घरेलू नल कनेक्शन के लिहाज से भी टैक्स तय किया जाता है तो 5 करोड़ से ज्यादा का डिमांड नोटिस निगम से हाउसिंग बोर्ड को भेजा जाएगा, हालांकि अभी जिम्मेदारों ने आकलन नहीं किया है। इसके लिए जोन आयुक्त के निर्देश पर जिम्मेदार अधिकारी बोर्ड से जानकारी जुटाने के बाद आगे प्रक्रिया करेंगे।

जांच के बाद भेजेंगे डिमांड

हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में जलप्रदाय से जुड़े मामले की जांच करा रहे हैं। सारी जानकारी लेने के बाद ही अब तक का बकाया वसूलने के लिए डिमांड नोटिस भेजा जाएगा। इसके लिए बोर्ड से भी अनुबंध और जलप्रदाय के रूप में दिए गए टैक्स की जानकारी मांगी जाएगी।

- संतोष कुमार पांडेय, आयुक्त, जोन-9, ननि रायपुर

इन बिंदुओं पर भी होगी जांच

निगम का जलप्रदाय विभाग अब इन बिन्दुओं पर भी जांच करेगा कि अब निगम सीमा क्षेत्र में बाहर की कॉलोनी को किस नियम के तहत पानी भेजा जा रहा है। इसके लिए हाउसिंग बोर्ड व निगम से कोई पत्र-व्यवहार पूर्व में किया गया या नहीं। साथ ही कॉलोनी का निरीक्षण करने के बाद वहां लगभग कितने साल से पानी आपूर्ति दी जा रही है। इसके बदले निगम को अभी तक हाउसिंग बोर्ड से जलप्रदाय के लिए कितना टैक्स मिला है। इसका आकलन भी किया जाएगा। निगम को इसके पूर्व जलप्रदाय के रूप में कितना टैक्स मिला है। इसे जांचने के बाद ही डिमांड देने की प्रक्रिया जोन के जिम्मेदारों द्वारा की जाएगी। इसके लिए जानकारी जुटाई जा रही है।

कॉलोनी में बोरवेल भी नहीं

विभागीय सूत्रों ने बताया कि सड्डू क्षेत्र में बोरवेल फेल होने की समस्या को देखते हुए हाउसिंग बोर्ड ने कॉलोनी से दूर ग्रामीण अंचल में तीन बोरवेल कराए हैं। जहां से पानी कॉलोनी के सम्पवेल तक पहुंचता है। गर्मी में वॉटर लेवल डाउन होने से पर्याप्त पानी कॉलोनी में रहने वाले परिवारों को नहीं मिलने की स्थिति बनती है। इस कॉलोनी में किसके कार्यकाल में पाइपलाइन निगम द्वारा बिछाई गई, इसकी जानकारी भी जिम्मेदारों से मांगी गई है। संबंधित क्षेत्र में पहले किस जोन में शामिल था, वहां से किस तरह की प्रक्रिया की गई है। इसके लिए दस्तावेजों की जांच भी होने वाली है।

छत्तीसगढ़ सहकार भारती का प्रांतीय अधिवेशन 6 जुलाई को

रायपुर। छत्तीसगढ़ सहकार भारती का प्रदेश अधिवेशन 6-7 जुलाई को होना सुनिश्चित हुआ है। इस संबंध में एक बैठक राष्ट्रीय कार्यसमिति तथा महिला सहकारिता प्रकोष्ठ की संयोजिका शताब्दी पांडेय की उपस्थिति में हुई। प्रदेश का अधिवेशन हर वर्ष किया जाता है, इस अधिवेशन में निमित्त प्रदेश के जिला, तहसील एवं राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक आहूत की गई। जहां जिलों से आने वाले सहकारिता से जुड़े सदस्यों की संख्या तथा सहकार मेले के बारे में विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचारक अभयराम ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सभी अनुषांगिक संगठन राष्ट्र निर्माण में लगे हुए हैं। कार्यक्रम का संचालन प्रदेश महामंत्री करुणानिधि यादव तथा प्रतिज्ञा का वाचन वेदराम वर्मा, प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष तथा सहकार भारती की राष्ट्रीय महिला सहकारिता प्रकोष्ठ की संयोजिका शताब्दी पांडेय ने अपने विचार प्रकट किए। बैठक में आरएस मिश्रा, जया द्विवेदी, कांति वर्मा, ममता राव देवरी, अवधेश दुबे, वाष्य जायसवाल, प्रेमशंकर द्विवेदी, दयाराम साहू, सुरेंद्र देशमुख, सत्येंद्र, राजा तिवारी, ललन यादव, आनंद चौबे आदि सहित पदाधिकारियों की सहभागिता रही।

पुरानी मशीनों से जांच चक्कर लगा रहे मरीज

रायपुर। सबसे बड़े शासकीय अस्पताल में मरीजों की जांच का इंतजार कम होने का नाम नहीं ले रहा है। सीमित और पुरानी मशीनों से की जाने वाली सीटी स्कैन और एमआरआई की वजह से रोजाना क्षमता से कम जांच हो पाती है और मरीजों को अगले दिन जांच के लिए आने का समय दिया जाता है। रोजाना प्रतीक्षा सूची बढ़ने की वजह से सामान्य मरीजों को अपनी जांच के लिए पंद्रह दिन तक इंतजार करना पड़ता है। पुरानी मशीनों को बदलने के लिए अस्पताल प्रबंधन द्वारा शासन को प्रस्ताव भेजा गया है, मगर चुनाव आचार संहिता का हवाला देकर इस पर किसी तरह का विचार नहीं किया गया है। आंबेडकर अस्पताल में रोजाना डेढ़ से दो हजार के बीच ओपीडी होती है, जिसमें से 20 प्रतिशत मरीजों को जांच की आवश्यकता होती है।

बूढ़ातालाब में नौकाविहार शुरू पुरानी एजेंसी ने उतारी 2 नई नाव

- बूढ़ातालाब पर्यटन मंडल को हेंडओवर
- शहरवासी परिवार संग ले सकेंगे बोटिंग का लुत्फ, फिर दिखेगी रौनक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी के बूढ़ातालाब में रविवार से नौका विहार की सुविधा शहरवासियों के लिए एक बार फिर से उपलब्ध कराई गई है। इसके लिए अभी शुरूआत में 2 नई बोट सरोवर में उतारी गई है। जिसमें लोग परिवार के साथ नौका विहार का आनंद उठा सकेंगे। पहले ही दिन बच्चों ने अपने पालक के साथ नई बोट की सवारी कर नौका विहार का लुत्फ उठाया। रायपुर नगर निगम द्वारा बूढ़ातालाब को छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल को हेंडओवर करने के बाद पुरानी एजेंसी द्वारा नौका विहार की सुविधा उपलब्ध कराने 2 बोट की सुविधा शुरू की गई है।

एंट्री पाइंट पर टिकट की व्यवस्था

एक अरसे बाद शहर के प्राचीन व ऐतिहासिक विवेकानंद सरोवर में आकर्षक बोट देखकर लोगों का ध्यान इस ओर आकर्षित हुआ। पूछने पर पता चला कि सरोवर में बोटिंग की सुविधा शुरू की जा रही है। इसके लिए पर्यटन मंडल से अनुबंधित पुरानी एजेंसी द्वारा विवेकानंद सरोवर में बोट उतारी गई है। सूत्रों के मुताबिक, आने वाले दिनों में कुछ नए बोट भी शहरवासियों को नौकायन की सुविधा दिलाने उपलब्ध कराए जाएंगे। बोटिंग करने वालों के लिए बूढ़ातालाब के एंट्री पाइंट पर टिकट की व्यवस्था रहेगी। जहां अपनी सुविधा अनुसार लोग बोटिंग का लुत्फ उठा सकेंगे।

इस बार संचालन करने नहीं मिली एजेंसी तो 30 मई से स्टेशन सफाई अनुबंधों से होगा चालू

निर्माण के 3 साल बाद अब खुलेगा पब्लिक टॉयलेट का ताला, रेलवे ने जारी किया टेंडर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खबर का असर

रेलवे में अफसर बदल गए, पर नहीं खुला पब्लिक टॉयलेट का ताला, तीन साल से एजेंसी ही ढूंढ रहे, शीर्षक से हरिभूमि ने 13 मई के अंक में प्रमुखता से खबर प्रकाशित की थी, जिसके बाद अब रेलवे ने मामले को संज्ञान लेते हुए एक बार फिर टेंडर जारी किया है। इस बार रेलवे ने टेंडर की राशि को कम किया है और साथ ही संचालन की शर्तों को भी बदला है। अब तय हो चुका है कि एसईसीएल के सीएसआर फंड से बना स्टेशनों पर पब्लिक टॉयलेट तीन साल बाद खुलेगा। हरिभूमि ने बताया था कि पब्लिक टॉयलेट में लंबे समय से ताला लगा हुआ है, जिससे आधुनिक सुविधाओं का लाभ यात्रियों को नहीं मिल रहा है। सीनियर डीसीएम अवधेश कुमार त्रिवेदी ने बताया कि स्टेशन परिसर में बने 15 टॉयलेट के लिए दो बार निविदा जारी की गई। इससे पहले आरक्षित मूल्य तक की बोली लगाने वाला कोई नहीं आया, इसलिए इन्हें निरस्त करना पड़ा।

रेलवे में अफसर बदल गए, पर नहीं खुला पब्लिक टॉयलेट का ताला, तीन साल से एजेंसी ही ढूंढ रहे
मंडल के 15 स्टेशनों पर बने हैं पब्लिक टॉयलेट, प्रत्येक पर 8 लाख हुए खर्च

एजेंसी मिले इसलिए घटा दिए आरक्षित मूल्य

पब्लिक टॉयलेट को संचालित करने के लिए तीसरी बार 15 मई को ई-नीलामी के माध्यम से निविदा जारी की गई है और नीलामी की तिथि 29 मई तय की गई है। आरक्षित मूल्य पहले 25 लाख था, जिसे अब घटाकर 15 लाख कर दिया गया है। यदि इस बार भी निविदा विफल होती है, तो ठेकेदार की सहमति होने पर मौजूदा स्टेशन सफाई अनुबंधों के साथ शौचालयों को संचालित करने की योजना है। स्वास्थ्य निरीक्षक और वाणिज्य निरीक्षक की एक टीम द्वारा एक संयुक्त सर्वेक्षण पहले ही पूरा कर लिया गया। बता दें कि 2021 में एजेंसी नहीं मिलने पर जिम्मेदार अफसरों ने भी पब्लिक टॉयलेट शुरू करने की योजना ठंडे बस्ते में डाल दिया था। हरिभूमि की खबर के रेलवे प्रशासन ने पूरे मामले को गंभीरता से लिया है। लोग खुले में शौच न करें, इस उद्देश्य से स्टेशनों के बाहर पब्लिक टॉयलेट बनवाए गए हैं।

सफाई अनुबंध के साथ चालू करेंगे

पब्लिक टॉयलेट का संचालन करने ई-नीलामी के माध्यम से निविदा जारी की गई है। यदि इस बार भी 29 मई को निविदा विफल होती है, तो इसे मौजूदा स्टेशन सफाई अनुबंध के साथ चालू किया जाएगा।

- अवधेश कुमार त्रिवेदी, सीनियर डीसीएम, रायपुर रेल मंडल

32 करोड़ के प्रोजेक्ट से कनेक्ट होगा रेलवे स्टेशन से टाटीबंध व शदाणी दरबार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

गुढ़ियारी क्षेत्र में घनी बसाहट के चलते कई स्पाट पर ट्रैफिक जाम की स्थिति बनती है। इससे लोगों को छुटकार दिलाने के लिए कुछ महीनों में 32 करोड़ का प्रोजेक्ट शुरु होने वाला है। इसके लिए पश्चिम क्षेत्र के विधायक ने लोक निर्माण विभाग से सर्वे करवाने के बाद जल्द निर्माण की प्रक्रिया शुरु करने के लिए बजट में प्रावधान भी करवाया है। इस निर्माण से रोज लाखों लोगों की रेलवे स्टेशन, टाटीबंध और शदाणी दरबार तक पहुंच आसान होगी। कई रुटो से कनेक्टिविटी बढ़ने से लोगों को 5 किलोमीटर चक्कर लगाने से भी राहत मिलेगी। राजधानी की सड़कों का जहां समय-समय पर चौड़ीकरण किया जा रहा है, वहीं गुढ़ियारी क्षेत्र की बसाहट घनी होने के बाद भी इस क्षेत्र की कनेक्टिविटी की बेहतरी के लिए काम नहीं हुआ है। इसका खामियाजा रोज तीन लाख से ज्यादा लोगों को भुगतना पड़ता है। इसमें टाटीबंध से गुढ़ियारी होते हुए रेलवे स्टेशन आने वाले यात्री भी शामिल हैं।

ट्रैफिक दबाव कम करने की तैयारी

एक्सप्रेस -वे से कई रुटों की कनेक्ट करने का काम लोक निर्माण विभाग करेगा। इसके लिए पहले चरण का सर्वे करवा रहे है। फ्लाईओवर नुमा रोड बनाने से कितने लोग प्रभावित होंगे, उस पर काम चल रहा है। इसके लिए राज्य शासन ने बजट में प्रावधान किया है। नए प्रोजेक्ट से हर वर्ग को राहत मिलेगी।

राजेश मूणत, विधायक, पश्चिम विधान सभा, रायपुर

प्लेटफार्म नंबर -5 आसान होगा

शुक्रवारी बाजार और पहाड़ी चौक से होते हुए रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 5 तक आने-जाने के लिए 2 किमी बायपास सड़क 15 करोड़ रुपए में बनेगी। इस सड़क की चौड़ाई 10 मीटर होगी। इसके बनने से प्रभावित होने वाले लोगों के लिए मुआवजे का प्रावधान भी किया जाएगा। शासन ने गुढ़ियारी के लोगों की कनेक्टिविटी फाफाडीह तक बढ़ाने के लिए ढाई किलोमीटर लंबी बायपास सड़क बनाने की तैयारी में है। इससे लोगों को रोज 5 किलोमीटर अतिरिक्त रास्ता तय नहीं करना पड़ेगा। इस ढाई किमी लंबे गुढ़ियारी से फाफाडीह अंडरब्रिज पहुंच मार्ग को कनेक्ट करने पर 17 करोड़ रुपए खर्च का अनुमान है।

भीड़ व ट्रैफिक जाम से मिलेगी राहत

रेलवे स्टेशन के पास उतरने वाले एक्सप्रेस- वे की कनेक्टिविटी सीधे भारत माता चौक गुढ़ियारी तक करने की तैयारी लोक निर्माण विभाग में शुरु हो चुकी है। इसके लिए चुनावी आचार संहिता के बाद काम में तेजी लाई जाएगी। इस पूरे प्रोजेक्ट पर काम होने से कई रुटों की कनेक्टिविटी गुढ़ियारी के शुक्रवारी बाजार से रेलवे स्टेशन को जोड़ने वाली सड़क पर भी काम शुरु होगा। एक्सप्रेस- वे को कनेक्ट करने से टाटीबंध की ओर से आने वाले लोगों को भी शहर की भीड़ वाले ट्रैफिक से राहत मिल जाएगी। वे सीधे शदाणी दरबार तक का सफर आसानी से तय कर लेंगे। इसका सबसे ज्यादा फायदा व्यापारियों को होगा।

निजी अस्पातालों ने नहीं दिया जवाब

रायपुर। अनियमितता के मामले में स्टेट नोडल एजेंसी को निजी अस्पतालों द्वारा अब तक जवाब नहीं मिल पाया है। इन पर आयुष्मान स्वास्थ्य सहायता योजना में मरीजों से इलाज के बाद अतिरिक्त राशि वसूलने के साथ दूसरा पैकेज ब्लॉक करने की शिकायत है। एसएनए के अधिकारियों ने इसके लिए 17 अस्पतालों को नोटिस थमाया था और संतुष्टिपूर्ण जवाब नहीं मिलने पर योजना से निलंबित करने की कार्रवाई करने की चेतावनी दी थी।

कैंसर सर्जरी
पश्चात अंगों का
पुनःनिर्माण
(जबड़ा, स्तन व अन्य)
छ.ग.शासन से मान्यता प्राप्त
कालड़ा बर्न एवं
प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी सेंटर
आर.के.सी.के सामने, चौबे कालोनी एवं पचपेढ़ी नाका, धमतरी रोड, कलर्स मॉल के पास, रायपुर
कॉल : 9827143060/8871003060
Ajay 9827144371

online Booking:-www.tripuryatra.com

स्लीपर मात्र 8,500/-
सुनहरा अवसर
स्पेशल ट्रेन से 08 जून से 14 जून 2024
जय माता दी... चलो बुलावा आया है, माता ने बुलाया है....
सबसे कम राशि पर
माता वैष्णव देवी
हरिद्वार,मथुरा वृंदावन (श्री कृष्ण जन्मभूमि)
राशि:-स्लीपर 8500/- 3 एसी 16,500/-2 एसी 21,500/ (+5% GST)
छत्तीसगढ़ के श्रवण कुमार
Since-2007
श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा
RAIPUR- D-36 Sector - 4 Kamal Vihar, KORBA- Shop No. 301,302,303 S.S. Plaza, Power House Road
संपर्क करें:-7354-411411

हरिभूमि

रायपुर, सोमवार 20 मई 2024

लाइव

Email id- zindgi.live.hb@gmail.com

0771- 4242222, Message at - 9630172937

किंगडम ऑफ द प्लैनेट्स में दिखा ....

लाइव इवेंट

रंगोली में बुद्ध के स्वरूप को दिया आकार चित्रकारी और मेंहदी में दिखाया हुनर

रायपुर। टिकरापारा स्थित बौद्ध समाज के भवन में छुट्टी के दिन बच्चों व युवाओं और महिलाओं के लिए विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसमें शामिल होने के लिए प्रतिभागी सुबह 10 से दोपहर 2 बजे के बीच अलग-अलग समय में ड्राईंग-पेंटिंग, रंगोली और मेंहदी प्रतियोगिता में शिरकत की। इसमें हर किसी ने बुद्ध जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित इस प्रतियोगिता में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। लोगों को यह अवसर अध्यक्ष राजू नायक, सचिव अरुण व कोषाध्यक्ष राजू भगत ने दिया। इसमें हर प्रतिभागी ने बुद्ध दर्शन और धम्म घोष को रंगोली में उकरेने में कोई कसर नहीं छोड़ी। इससे दोपहर तक उत्साह का माहौल देखने को मिला। इस आयोजन को सफल बनाने की अहम जिम्मेदारी समाज के हर वर्ग ने निभाते हुए प्रतियोगिता की श्रृंखला को भी सजाया।

जयंती के अवसर पर सम्मान

समाज के प्रमुखों ने बताया कि बुद्ध जयंती के अवसर पर 23 मई को होने वाले मुख्य आयोजन में इस प्रतियोगिता के विजेताओं का सम्मान किया जाएगा। जिन लोगों को अलग-अलग प्रतियोगिता पर नजर रखने के लिए निर्णायक बनाया गया था, वे रविवार को हुई प्रतियोगिता के विजेता की घोषणा करेंगे। इस तरह के आयोजन समाज के युवाओं को आपसी तालमेल बनाने और खास अवसर को एकजुट होकर सफल कैसे बनाए। इसके लिए प्रेरित करने के लिए समय- समय पर इस तरह के आयोजन किए जाते हैं।

सिटी इवेंट

सबका अपना पिन नंबर, उसके अनुरूप लक्ष्य तय करने से मिलेगी भीड़ से अलग पहचान

रायपुर। पोस्टल इंडेक्स नंबर, जिसे हम साधारण बोल-चाल की भाषा में पिन कहते हैं और डाक विभाग द्वारा इससे हमारे देश के किसी भी शहर की पहचान की जाती है। उसी तरह हर इंसान का एक पिन होता है। इसे पर्सनल आइडेंटीफिकेशन नंबर भी कह सकते हैं। इसी से किसी व्यक्ति की समाज में पहचान होती है। यह बात रविवार को सिविल लाइन स्थित युवा संस्था में निःशुल्क रूप से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवाओं के बीच इंटरनेशनल ट्रेनर और मोटिवेशनल स्पीकर मुकेश शाह ने मुख्य वक्ता के रुप में कही। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा, सचिन तेंदुलकर का पिन क्रिकेट था। वे जीवन में अगर फिजिक्स और केमिस्ट्री को अपना पिन बनाते तो दुनिया की भीड़ में कहीं खो चुके होते। इसके अलावा उन्होंने जार्ज बर्नाड, अरुणिमा सिन्हा जैसे व्यक्तित्व के उदाहरण से उपस्थित लोगों को मोटिवेट किया। उन्होंने युवाओं को अपने जीवन का लक्ष्य अपने रुचि और पैशन के आधार पर तय करने की सलाह दी।

देंगे नियमित सेवा

अतिथियों ने भविष्य में निःशुल्क संचालित हो रही संस्था से जुड़कर नियमित रूप से सेवाएं व अनुभव का लाभ भी युवाओं को देने की बात कही। सेमिनार के अंत में युवा के संस्थापक एम.राजीव ने कहा, इस तरह के कार्यक्रम से युवाओं के व्यक्तित्व विकास में सहायता मिलती है। इस अवसर पर भोपाल से आए द्रोहित शिवहरे, दल्ली-राजहरा के कौशल वर्मा, श्रम विभाग में कार्यरत विजय साहू के अलावा युवा के सदस्य भारी संख्या में उपस्थित रहे।

लक्ष्य को हासिल करने मेहनत जरूरी

मुख्य अतिथि मल्लिकार्जुन राव ने कहा कि सिर्फ बड़ा बनने का सपना देखना ही काफी नहीं है। जीवन में उसे पूरा करने के लिए योजना बनाकर उसके लिए मेहनत भी करनी होती है। इसके लिए प्लानिंग के साथ ही उस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए समय सीमा भी तय करने की जरूरत होती है। ऐसा नहीं करने की स्थिति आप अपने लक्ष्य को हासिल करने में फेल भी हो सकते हैं या यूं कहें कि इसमें लंबा समय भी लग सकता है। विशिष्ट अतिथि दीपक शुक्ला ने कहा कि आज के इस स्वार्थ से भरी दुनिया में निस्वार्थ भाव से चल रही संस्थाओं को काम करते देखकर सुखद एहसास के साथ ही आश्चर्य भी होता है।

मी अहिल्या बोलतेय... कन्नड़ नाटक का हिंदी रूपांतरण 13 कलाकारों के जरिए बताई गई समाजसेवा की कहानी

'हम अपने साड़ी की पल्लू को अपने ऊपर ओढेंगे। आवश्यकता पड़ी तो उसका उपयोग कमर बांधने के लिए भी करेंगे। यदि लोगों को जरुरत हो तो पल्लू में छाया भी देंगे। परंतु किसी के सामने झोली नहीं फैलाएंगे। हम केवल हमारे महादेव के सामने ही झोली फैलाएंगे।' यह शब्द अहिल्या बाई के हैं, जिसे नाटक के दौरान कलाकर ने अपनी प्रस्तुति में कहा।

रायपुर। रंग संस्कार महोत्सव में लगातार तीन दिनों तक नाटक का मंचन किया गया। शुक्रवार से इसकी शुरुआत हुई। रविवार को इसका अंतिम दिन रहा, जहां दो नाटकों का मंचन हुआ। शाम 6:30 बजे से ही कलाकारों ने अपने हुनर की प्रस्तुति शुरु कर दी थी। इस दौरान 'अंधेर नगरी चौपट राजा' नाटक से कार्यक्रम की शुरुआत की गई। आयोजन के समापन अवसर पर नाटकों में प्रस्तुति दे रहे सदस्यों को पुरस्कृत किया गया। सप्ताहांत होने के कारण अन्य दिनों की तुलना में रविवार को भीड़ अधिक रही। सभी नाटकों में कलाकारों की प्रस्तुति उम्दा रही। शुरुआत से लेकर अंत तक दर्शक अपनी जगह में इसका आनंद उठाने के लिए कुर्सी पर जमे रहे।

जयंती के उपलक्ष्य में श्रद्धांजलि

तीन दिवसीय रंग संस्कार महोत्सव का समापन, अंतिम दिन दो नाटकों का मंचन

इस नाटक के दौरान कुल 13 कलाकारों ने मिलकर, अहिल्याबाई के जीवन का परिचय दिया। इस नाटक के निर्देशक त्रिलोचन सोनी और लेखक सत्यनारायण राऊ रहे। नाटक के माध्यम से अहिल्याबाई होलकर को 31 मई को उनकी जयंती के उपलक्ष्य में श्रद्धांजलि दी गई। मूल रूप से यह नाटक कन्नड़ भाषा का है, जिसे हिन्दी में अनुवाद कर प्रस्तुत किया गया। हिन्दी अनुवाद विद्या राव द्वारा किया गया।

महिलाओं के विकास के लिए न्योछावर किया जीवन

जब कभी भी महिलाओं के हित में कार्य करने की बात आती है, तो कई समाजसेवी महिलाओं का नाम नजर आता है। उनमें से ही एक 'अहिल्याबाई होलकर' हैं, जिन्होंने महिलाओं के विकास और जनकल्याण कार्य में अपना जीवन न्योछावर कर दिया। 'मी अहिल्या बोलतेय' नाटक का मंचन एक घंटे तक किया गया। नाटक देख रहे लोग अहिल्याबाई के जीवन से प्रभावित नजर आए। नाटक के कई दृश्यों ने दर्शकों को भावुक कर दिया।

दूसरे को जिम्मेदार बताता है प्रत्येक व्यक्ति

'अंधेर नगरी चौपट राजा' नाटक की प्रस्तुति दी गई, जिसमें एक राज्य के अनोखे व्यक्तियों की कहानी बताई गई। इस अंधेर नगरी में राजा के राज्य में एक बकरी दीवार से दब कर मर जाती है, जिसके बाद फरियादी राज्य के राजा के पास न्याय की आशा लेकर पहुंचता है। प्रत्येक व्यक्ति किसी दूसरे को व्यक्ति को जिम्मेदार बताकर स्वयं स्वतंत्र हो जाता है। लगातार विवाद के बाद अंत में एक व्यक्ति को राजा के समक्ष प्रस्तुत किया जाता है। जिसे उसके गुरु की चलाकी के चलते बचा लिया जाता है।

हास्य रस की प्रधानता

अंधेर नगरी चौपट राजा में हास्य रस की प्रधानता रही। संस्कार भारती छत्तीसगढ़ संस्था द्वारा रंगकर्मी अशोक चन्द्राकर के स्मृति स्वरुप इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। तीन दिवसीय कार्यक्रम महाराष्ट्र मंडल के सभागार में आयोजित किया गया। नाटक मंचन के दौरान सभागार में लोगों की भीड़ देखने को मिली। कुछ दर्शक रोजाना अपने परिजनों के साथ शामिल होकर नाटक का लुत्फ उठाते नजर आए। 17 मई से कार्यक्रम की शुरुआत की गई, जिसमें प्रत्येक दिन सामाजिक मुद्दे, जीवन गाथा, हास्य, लोकनाट्य की प्रस्तुति दी गई।

देवगढ़-रत्नागिरी के हापुस की बाजार में आमद, बिक रहा हजार रुपए दर्जन

फलों के राजा आम की आमद वैसे तो मार्च से ही गुजरात, यूपी, एमपी और नागपुर से शुरु हो जाती है। इसमें सामान्य आम के साथ ही केसर, सुंदरी, कलमी, दसहरी व लगड़ा आम भी लोग खरीदने लगते हैं। इसके बाद भी आम का शौक रखने वाले लोगों को देवगढ़ व रत्नागिरी से आने वाले हापुस का इंतजार हर साल रहता है। इस सीजन में 800 से 900 रुपए दर्जन थोक बाजार में इसकी किमत होने के बाद भी यह लोगों की पहली पसंद बनी हुई है।

रायपुर। गर्मी के मौसम में लोगों को फलों के राजा आम का हर साल इंतजार रहता है। अब इनसे अलग-अलग फ्लैवर में आइसक्रीम भी तैयार किया जाने लगा है। इसके चलते इनकी डिमांड भी थोक बाजार लालपुर व शहर के अलग-अलग क्षेत्र में फलों के थोक व्यावसाय से जुड़े लोगों के पास बढ़ने लगी है। लोग फुटपाथ पर ठेला लगाकर आम बेचने वालों के पास भी अपने बजट के हिसाब से आम की खरीदी करने पहुंच रहे हैं। अब गुजरात के केसर, नागपुर से सुंदरी की खेप आने से आम के शौकिनों ने फ्रूड मार्केट का रुख किया है। जहां उन्हें देवगढ़ और रत्नागिरी से पहुंच रहे हापुस आम मिलने लगा है। एमएस फ्रूड के संचालक नितिन ढोलकिया ने बताया कि सामान्य आम की खेप थोक बाजार में मिल जाती है, लेकिन हापुस का इंतजार शौकिनों को गर्मी के सीजन में रहता है।

ओडिशा से भी पहुंचती है खेप

ओडिशा से भी राजधानी में आम की खेप हर साल गर्मी में आती है। वहां के आम्रपाली, दसहरी व कलमी व लगड़ा आम को भी शौक रखने वाले पसंद करते हैं। इसे देखते हुए थोक व्यापारी वहां से भी आम की खेप मंगाते हैं। अभी के सीजन में हापुस की थोक बाजार में ज्यादा है। पॉश कॉलोनियों में रहने वाले ही नहीं बल्कि इनके स्वाद से वाकिब शौकिन दूर-दराज से भी खरीदने के लिए लालपुर, गणेश रामनगर ही नहीं बल्कि क्षेत्रिय फल मार्केट में पहुंचने लगे हैं। इसे देखते हुए व्यापारी दूसरे शहरों से इसे मंगाने के बाद पकाकर बेच रहे हैं। इस बार सामान्य आम 60 से 120 रुपए किलो में भी बिक रहा है।

आइसक्रीम बनाने भी खरीद रहे

थोक व्यापारी ने बताया कि देवगढ़ व रत्नागिरी के हापुस यानी अल्फांसो को आमों का राजा कहा जाता है। इस आम की खेप अब पर्याप्त मात्रा में आने लगी है। इसे 800 से 900 रुपए दर्जन की दर पर बेचा जा रहा है। इसे लोग फुटकर बाजार में हजार से 12 सौ रुपए में भी खरीद रहे हैं। इससे लोग मैंगो फ्लैवर में आइसक्रीम बनाने के लिए भी खरीदते हैं। इसके चलते हापुस की डिमांड भी सामान्य आम की अपेक्षा बढ़ जाती है। इसे ज्यादातर लोग फुटकर की बजाय थोक बाजार से ही खरीदते हैं। गणेश रामनगर में भी कई थोक व्यापारियों के पास हापुस, सुंदरी, केसर और दसहरी आम खरीदने में लोग रुचि लेने लगे हैं।

कार्नर न्यूज

पूज्य तीर्थ शदाणी दरबार परिसर में दिनभर रहा भक्तिमय माहौल

गणपति-महासुदर्शन होम व मंत्रोच्चार से शुरू हुआ 5 दिवसीय महासुहृत महाशाक्त यज्ञ

पूज्य तीर्थ शदाणी दरबार परिसर में सुबह 6 बजे से मंत्रोच्चार की गूंज रही। यहां वैदिक नियमों का पालन करते हुए बनाए गए यज्ञ मंडप में दोपहर 12 बजे तक कई भक्त परिवार भी शामिल हुए। श्री महा दिव्य देशम फाउंडेशन के संस्थापक राजीव रकुल महाराज के मार्गदर्शन में पांच दिवसीय महा सुहृत महा शाक्त यज्ञ अनुष्ठान एकादशी तिथि में रविवार को शुरु की गई।

रायपुर। महाराज ने बताया कि सुबह 6 बजे गणपति होम के साथ अनुष्ठान का शुभारंभ हुआ। इसके बाद त्रिकाल पूजन की प्रक्रिया दोपहर 12 बजे तक की गई। वहीं शाम 5.30 बजे से रात 11 बजे तक दूसरे क्रम में फिर यज्ञ शुरु हुआ। इसमें महा शाक्त होम किया गया और इसके बाद महासुदर्शन होम हुआ। आगे बताया कि भगवान ब्रह्मा देव ने ब्रह्माण्ड का निर्माण करने के लिए महायज्ञ आयोजित करने के लिए देवी गायत्री का आहवान किया था। इसे हमारे ब्रह्माण्ड के निर्माण के लिए आदिम अग्नि अनुष्ठान भी माना जाता है। देवी महा गायत्री शुद्ध चेतना का प्रतीक हैं।

वेदों के रूप में मानवता के सामने

आगे बताया कि वेद माता के रूप में उन्होंने ब्रह्म मंडल के भीतर सभी प्राणियों को दिव्य ज्ञान प्रदान किया, चाहे वह प्रकट स्वरूप में या अप्रकट स्वरूप में हो सकते हैं। महा विष्णु के अवतार महर्षि वेद व्यास ने देवी महा गायत्री के आहवान से ज्ञान प्राप्त किया। महर्षि व्यास ने देवी से प्राप्त ज्ञान को संकलित किया और वेदों के रूप में मानवता के सामने प्रस्तुत किया, जो हमारे सनातन धर्म की नींव है। इससे लोगों को जोड़ने के लिए 5 दिवसीय यज्ञ का शुभारंभ किया गया है। देवी के मार्गदर्शन में ही श्री महा दिव्य देशम फांउडेशन को अत्यधिक शुभ महा सुहृत होम का आयोजन किया है।

पहले दिन किया महा सुदर्शन...

पहले दिन महा सुदर्शन होम किया गया। यह भगवान सुदर्शन को समर्पित एक शक्तिशाली अनुष्ठान है, जो ब्रह्मांड के संरक्षक और पालनकर्ता भगवान महा विष्णु के प्राथमिक मानसिक हथियारों में से एक है। भगवान सुदर्शन का आहवान करने के बाद भगवान विश्वकर्मा ने 108 दांतेदार किनारों (दिव्य सिर) के साथ सुदर्शन चक्र का निर्माण किया। यज्ञ में दोषों से पीड़ित व्यक्तियों की सहायता के लिए सुदर्शन होम का आयोजन भी किया जा रहा हैं। क्योंकि भगवान सुदर्शन दृष्टि दोष को खत्म करते हैं। आंतरिक और बाहरी दोनों तरह के दुर्जेय विरोधियों से सुरक्षा प्रदान करते हैं।

समाज इवेंट

महाराज शिवाजी को पुरानी की तरह नई पीढ़ी से भी मिल रहा सम्मान

रायपुर। महाराष्ट्र मंडल में हर माह की 19 तारीख की तरह रविवार को भी छत्रपति शिवाजी महाराज की महाआरती की गई। सैनिक स्कूल नागपुर के 11 वर्षीय उरुज्ञ देशमुख ने आरती की थाल संभालते हुए आश्वस्त किया कि शिवाजी महाराज के प्रति नई पीढ़ी में भी पुरानी पीढ़ियों की तरह ही भरपूर सम्मान है। इस मौके पर महाराष्ट्र नाट्य मंडल के निर्देशक प्रा. अनिल श्रीराम कालेले ने छत्रपति शिवाजी महाराज की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जीवन में धर्म, संस्कार और संस्कृति का सर्वाधिक महत्व होता है। कालेले ने कहा कि शिवाजी महाराज की माता जीजाबाई धार्मिक स्वभाव वाली होते हुए भी गुण- स्वभाव और व्यवहार में वीरंगना नारी थीं। इसी कारण उन्होंने शिवाजी का पालन- पोषण रामायण, महाभारत और अन्य भारतीय वीरात्माओं की कहानियां सुना और शिक्षा देकर किया था।

अनेक विधाओं में भी हुए निपुण

कार्यक्रम में जानकारी देते हुए बताया कि दादा कोणदेव के संरक्षण में शिवाजी सभी तरह की सामयिक युद्ध समेत अनेक विधाओं में भी निपुण हुए। उन्हें धर्म, संस्कृति और राजनीति की शिक्षा दिलवाई गई थीं। परम संत रामदेव के संपर्क में आने से शिवाजी पूर्णतया राष्ट्रप्रेमी, कर्त्तव्यपरायण व कर्मठ योद्धा बन गए।महाआरती में सचिव चेतन दंडवते, संत ज्ञानेश्वर स्कूल के सह प्रभारी परितोष डोनगांवकर, युवा समिति के प्रभारी विनोद राखुंडे, सचेतक रविंद्र ठेंगड़ी, सचिन्द्र देशमुख, सुचिता देशमुख, अतुल गद्रे सहित अनेक सभासद शामिल हुए।

सिटी इवेंट

काव्य गोष्ठी में कवियों ने रचनाओं का किया पाठ, गीतों से सजी महफिल

रायपुर। कुर्मी भवन में ऋतंभरा साहित्य समिति के तत्वावधान में काव्य गोष्ठी सम्पन्न हुई। मुख्य अतिथि महेश वर्मा और विशेष अतिथि उभयराम साहू ने मां सरस्वती के छायाचित्र पर दीप प्रज्जवलित कर गोष्ठी का शुभारंभ किया। वरिष्ठ कवि लखनलाल साहू चरोदा ने अपनी कृति 'फाग गीत माला' से सतरंगी छटाएं बिखेरते हुए गीतों की प्रस्तुति दी। वर्मा ने अपनी छत्तीसगढ़ी रचनाओं का पाठ कर पुरानी यादें ताजा की। विशेष अतिथि साहू 'बहती दरिया' ने अपनी सद्यः प्रकाशित कृति 'माता महामाया का प्रसाद' अध्यक्ष नारायण वर्मा ने सप्रेम भेंट की।

प्रतिनिधि रचनाओं का किया पाठ

मंच को ऊंचाई प्रदान करते हुए छत्तीसगढ़ी वरिष्ठ गीतकार हेमलाल साहू 'निर्मोही', चिंतामणि साहू 'अध्यात्मशोधक', रविन्द्र कुमार थापा, साधुदास वैष्णव, कामता प्रसाद दिवाकर, डामनलाल वर्मा, गनपत राव, बिसरू राम कुर्रे, बैकुंठ महानंद, रघुनाथ देशमुख, भुपेंद्र साहू पाहंदा, जगन्नाथ निषाद आदि ने अपनी-अपनी प्रतिनिधि रचनाओं का पाठ किया। कवित्रय अध्यक्ष नारायण वर्मा, कोषाध्यक्ष विक्रम शाह ठाकुर और रचनाकार ओमवीर करण का जन्मदिन मनाया गया।

इंस्टाग्राम पर छत्तीसगढ़ी गानों के रील 'ऐ गोरी ऐ गोरी ' को 3.8 लाख व्यूज

रायपुर। कॉमेडियन एवं छत्तीसगढ़ी फिल्म अभिनेता अमलेश नागेश की नई फिल्म 'हण्डा' 5 जुलाई को रिलीज होने वाली है। इससे पहले 'ऐ गोरी ऐ गोरी वो' छत्तीसगढ़ी गाना रिलीज हो चुका है, जिसे बीते 13 दिनों में 36 लाख से अधिक लोगों ने सुना है। प्रदेश के छोटे से गांव में रहने वाले अमलेश इन फिल्म के निर्देशक हैं। एम.माही फिल्म प्रोडक्शन प्रेजेंट द्वारा इसे तैयार किया गया है। फिल्म के निर्माता मोहित साहू ने बताया, अब तक फिल्म पूरी तरह से तैयार नहीं हुई है। लेकिन इसे 15 जून तक पूरी तरह से तैयार कर दिया जाएगा। फिल्म रिलीज होने से पहले 'ऐ गोरी ऐ गोरी वो'गाने को लोगों के बीच लाया गया, जिसे सोशल मीडिया में खूब पसंद किया जा रहा है।

अम्लेश्वर में हाटकेश्वर शिव महापुराण 27 से

रायपुर। भगवान शिव और पूर्वजों के पुण्य प्रताप से आज हाटकेश्वर शिव महापुराण का आयोजन होने जा रहा है। अम्लेश्वर के साथ-साथ आसपास के लोगों को शिवमय होने का स्वर्णिम अवसर मिल रहा है। रविवार को मीडिया से चर्चा करते हुए शिवमहापुराण के आयोजक पवन खंडेलवाल ने उक्त बातें कही। उन्होंने आगे बताया कि अम्लेश्वर में 27 मई से 2 जून तक हाटकेश्वर शिव महापुराण का आगाज होने जा रहा है। इसके आचार्य अंतर्राष्ट्रीय कथावाचक पं. प्रदीप मिश्रा होंगे। शिवमहापुराण को लेकर आसपास के लोगों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। कार्यक्रम के लिए 5-10 वालंटियर तैयार किए जा रहे हैं। जो इस कार्यक्रम को सफल बनाने मुस्तैद रहेंगे। श्रद्धालुओं के लिए भंडारा प्रसाद की व्यवस्था भी रहेगी।

● हरिभूमि-आईएनएच न्यूज के मूवी मेनिया में दर्शकों ने देखी फिल्म किंगडम ऑफ द प्लैनेट्स ऑफ द एप्स

किंगडम ऑफ द प्लैनेट्स में दिखा वानरों का साम्राज्य मनुष्यों के खिलाफ चिंपैंजी विद्रोह की दिखी दास्तान

हरिभूमि-आईएनएच न्यूज के सुधि पाठकों और दर्शकों के लिए आयोजित मॉर्निंग मूवी मेनिया के चौथे सप्ताह में 300 से अधिक लोगों ने बॉलीवुड फिल्म किंगडम ऑफ द प्लैनेट्स ऑफ द एप्स देखी। बच्चों, युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों में आयोजन को लेकर जमकर उत्साह देखने को मिला। रविवार सुबह 7 बजे से हाथों में टिकट लिए थियेटर फिल्म देखने पहुंचने लगे थे।

रायपुर। दर्शकों ने फिल्म किंगडम ऑफ द प्लैनेट्स ऑफ द एप्स में वानरों के ग्रह का साम्राज्य देखा। कहानी उस महाकाव्य युद्ध के 300 साल बाद की है, जिसमें मनुष्यों के खिलाफ विद्रोह का नेतृत्व करने वाले चिंपैंजी ने किया था। दर्शकों ने हरिभूमि-आईएनएच न्यूज के मॉर्निंग मूवी मेनिया कार्यक्रम के लिए धन्यवाद भी कहा।

इनका रहा विशेष सहयोग

हरिभूमि-आईएनएच न्यूज प्रत्येक वर्ष अपने पाठकों और दर्शकों के लिए मॉर्निंग मूवी मेनिया मनोरंजन कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है, जिसे सफल बनाने इस बार श्री नारायणा हॉस्पिटल, कलिंगा यूनिवर्सिटी, नारायणा हेल्थ एमएमआई, सिंघानिया, बिल्डकॉन, मैजिक पेंट, सरोवर पोर्टिको, ब्लू लाइन, हर्षित सिंघानिया बिल्डकॉन, जे-70, रालास मोटर्स, राम श्याम ग्लास, श्री स्वास्तिक ग्रुप, एएन ऑटोमोबाइल, घर फर्नीचर, भसीन मोटर्स, मोर हॉस्पिटल, न्यूज प्लस-21, हीरा बेकरी का विशेष सहायोग रहा। हरिभूमि-आईएनएच न्यूज प्रबंधन टीम ने भी मुख्य भूमिका निभाई है। महाप्रबंधक अनिल गहलावत, एजीएम निलेश द्विवेदी, मार्केटिंग मैनेजर संजय बनवासी, असिस्टेंट मैनेजर आनंद मिश्रा, चंद्रकांत श्रीवास समीर चौधरी, मूलचंद कश्यप, आकाश मानस, सिटी सर्कुलेशन हेड आशीष दास महंत, सुमित महोबिया, तोरणलाल साहू समेत हरिभूमि की पूरी टीम शामिल है। राजेश पब्लिसिटी के सिद्धार्थ जैन, मां एड एजेंसी के नीरज शर्मा और खन्ना न्यूज एजेंसी के सेनापति खन्ना भी इसमें मौजूद रहे।

दोस्तों के साथ बीत रहा रविवार

हरिभूमि बीते आठ सालों से पाठकों के लिए मूवी मेनिया का आयोजन करने आ रहा है। हर साल प्रत्येक शो दर्शकों से हाउसफुल रहता है। रविवार को भी लोगों ने इस दौरान खूब एन्जॉय किया। फिल्म देखकर बाहर निकलने दर्शकों ने कहा, हर रविवार दोस्तों और परिवार के साथ बीत रहा है। बच्चों को खास इस आयोजन का इंतजार रहता है। दर्शकों ने कहा, मूवी मेनिया की वजह से हरिभूमि-आईएनएच न्यूज से रिश्ता और भी मजबूत हो चुका है। लोगों तक सबसे तेज और निष्पक्ष खबर पहुंचाने के साथ-साथ अपने पाठकों और दर्शकों के लिए मनोरंजन कार्यक्रम आयोजित कर रहा है।

पहली बार... शहर में ओडिशा की तर्ज पर श्री जगन्नाथ को कराई नौका की सैर

रायपुर। पीयूष नगर स्थित जगन्नाथ मंदिर में ओडिसा के पुरी स्थित भगवान जगन्नाथ मंदिर की तर्ज पर रविवार को कार्यक्रम का आयोजन किया गया। खोखो तालाब में श्री जगन्नाथ को यह नौका विहार कराया गया। इसमें शहरवासी संग अन्य मंदिरों के पुजारी भी शामिल हुए। गौरतलब है कि शहर में पहली बार जगन्नाथ मंदिर की तर्ज पर यह आयोजन किया गया। इस कारण भी लोगों में इसे लेकर अधिक उत्साह रहा। इसमें सभी रस्म एवं पूजन जगन्नाथ मंदिर के अनुसार ही किया गया।

जगन्नाथ मंदिर के पुजारी अरविंद अवस्थी ने बताया, रविवार को मंदिर में पूजा-अर्चना कर भगवान की प्रतिमा को मंदिर प्रांगण से बाहर ले जाया गया। इसके पश्चात खोखो तालाब में नौका विहार कराया गया। पुरी में यह परंपरा बैशाख माह में चंदन यात्रा के दौरान निभाई जाती है। पं.राम अवतार पांडे, पं. रमी तिवारी सहित बड़ी संख्या में शहरवासी मौजूद रहे। इसमें सर्वाधिक संख्या महिलाओं की रही।

गेंदे के फूलों से सजी नौका

नौका विहार के दौरान नाव को गेंदे के फूलों से सजाया गया। छत्र की छाया में भगवान को मंदिर परिसर से लाया गया। इसके बाद पुजारियों ने श्री जगन्नाथ की प्रतिमा को नाव में सवार कर यात्रा कराई। इस अवसर पर भगवान का मनमोहक श्रृंगार किया। मुकुट आकर्षण का केंद्र बना रहा। नवीन पोशाक धारण किए भगवान ने रथयात्रा की। यात्रा रविवार को शाम 5:30 बजे से शुरु की गई। आकर्षक रूप में सजे प्रभु जगन्नाथ को नौका विहार के दौरान भक्तगण निहारते रहे। इस दौरान भक्तिमय माहौल खो-खो तालाब में रहा।

अंग्रेजी में बातचीत करने बच्चों का दूर किया डर, मंच से बढ़ाया हौसला

रायपुर। ग्रीष्मकालीन छुट्टियों का आनंद सभी बच्चें जगह-जगह आयोजित समर कैंप में ले रहे है। इसी कड़ी में संचालक लोक शिक्षण संचालनालय नवा रायपुर के निर्देश पर स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय में समर कैंप का आयोजन रोचक ढंग से किया गया है। प्राचार्य जे.पी. श्याम के मार्गदर्शन व नवाचारी शिक्षक राम कुमार वर्मा के संयोजन में शिक्षिका दीक्षा, रजत हलदार, संकुल समन्वयक रेणु मोहंती, दीपशिखा चंद्राकर के सहयोग से बच्चों को सरस्वती वंदना, सर्वधर्म प्रार्थना तू राम हे तू रहीम है,,,, के गायन के साथ ही सुबह योग-अभ्यास, प्रेरणात्मक उद्बोधन क्रम में केशव साहू द्वारा योग अभ्यास और आत्मविश्वास को बढ़ाने के टिप्स दिए गए। सत्र में बच्चों को स्पोकन इंग्लिश क्रम में अपना परिचय देने सहित कम से कम 20 वाक्य अपने पालकों व घर के आसपास प्रतिदिन अंग्रेजी के वाक्यों को बोलने की प्रेरणा दी गई, ताकि आसपास में भी अंग्रेजी में संवाद करने का एक वातावरण बन सके। इंग्लिश स्पोकन की गतिविधियां घनश्याम शर्मा ने कराई। बच्चों को सृजनात्मक दिशा देने की दृष्टि से राम कुमार वर्मा द्वारा चित्रकारी की गणित की विधियां सहशैक्षिक रुप से कराई गई। लोक चित्र कला शैलियों की विविध विधाओं को बच्चों के मध्य परिचित कराते हुए चटकदार रंगों से चित्रांकन करने की रोचक गतिविधि को विशेष रुप से कराई जा रही है।

कार्नर न्यूज

जिला शिक्षा कार्यालय द्वारा प्रारंभ किया गया समर कैंप

19 विधाओं में पारंगत होंगे स्कूली छात्र इनमें कैलीग्राफी, रूबिक्स सहित एआई

स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा गत दिनों शासकीय विद्यालयों को समर कैंप लगाने के निर्देश दिए गए थे। इसी कड़ी में जिला शिक्षा कार्यालय रायपुर द्वारा भी स्कूली छात्र-छात्राओं को रचनात्मक गतिविधियां सिखाने के लिए कई तरह के आयोजन स्कूल में किए जा रहे हैं।

रायपुर। स्कूली छात्र-छात्राओं को रचनात्मक गतिविधियां सीखाने, उनके बहुमुखी कौशल का विकास करने एवं परस्पर एक-दूसरे को सीखने-सिखाने के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से यह कैंप लगाया जा रहा है। जेआर दानी स्कूल में 17 मई से इसकी शुरुआत की गई है। कैंप 31 मई तक चलेगा, जिसमें शासकीय विद्यालयों के छात्र शामिल हो सकते हैं। इसका शुभारंभ कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार ने किया।

621 छात्रों ने कराया पंजीयन

समर कैंप में 621 विद्यार्थियों ने पंजीयन कराया है। 41 प्रशिक्षक उन्हें प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं। प्रशिक्षण में प्रत्येक आयु वर्ग के छात्र पहुंच रहे हैं। छोटे कक्षाओं के बच्चों की दिलचस्पी आर्ट एंड क्राफ्ट में अधिक है तो वहीं माध्यमिक कक्षा के विद्यार्थी खेलकूद में अपनी प्रतिभा दिखा रहे हैं।

शारीरिक गतिविधियों को भी जगह

कार्यक्रम में 19 विभिन्न विधाओं पर आधारित प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसमें चित्रकारी, गायन, वादन, नृत्य, निबंध लेखन, हस्तलिपि लेखन, खेलकूद शामिल है। इसके अतिरिक्त स्पोकन इंग्लिश, कैलीग्राफी, रूबिक्स, साईंस मॉडल, हैंडीक्रॉप्ट, योगा-ध्यान, बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, पेंटिंग, बांसुरी वादन, कठपुतली, मेहंदी, शतरंज, रोप स्पिकिंग, वॉलीबॉल, फुटबॉल तथा ताईक्वांडो जैसे संबंधित विषय विशेषज्ञों को प्रशिक्षक के रूप में आमंत्रित किया गया है।

धर्म दर्शन

किस दिन कैसा भोजन करने से सभी ग्रह होते हैं मजबूत?

ज्योतिष अनुसार हर दिन के हिसाब से भोजन करना चाहिए। ऐसा करने के पीछे ग्रहों को मजबूत करना मुख्य कारण होता है। जैसा ये तो सभी जानते हैं कि शनिवार का दिन शनि का होता है इसलिए इस दिन काली दाल का सेवन करना अच्छा माना गया है। इसी तरह हर दिन ग्रहों के हिसाब से भोजन किया जाए तो इससे जीवन में आने वाली परेशानियां कम हो सकती हैं।

सोमवार : नए सप्ताह की शुरुआत इस दिन से होती है। भगवान शिव का ये प्रिय दिन माना जाता है। इस दिन अपने खाने में सफेद चीजों को शामिल कर सकते हैं। जैसे बिना छिलके की उड़द की दाल, दूध, चावल, चीनी से बनी खीर इस दिन खाना बेहद ही शुभ माना जाता है। इससे चंद्रमा मजबूत होता है।

मंगलवार : भगवान हनुमान का प्रिय दिन है मंगलवार। इस दिन लाल वस्तुओं का सेवन करना और साथ ही दान करना शुभ माना जाता है। इस दिन मसूर की दाल, गुड़, अनार, जौ और शहद का सेवन करना चाहिए। इससे मंगल ग्रह मजबूत होता है।

बुधवार : गणेश जी अराधना का शुभ दिन है बुधवार। इस दिन बुध को मजबूत करने के लिए हरी सब्जियों का सेवन करना चाहिए। इससे स्वास्थ्य के साथ-साथ आर्थिक स्थिति में भी सुधार हो जाएगा।

गुरुवार : गुरु ग्रह को मजबूत करने के लिए इस दिन चने की दाल, अरहर की दाल, पीली खिचड़ी, मूंग की दाल, हल्दी का सेवन करना चाहिए। इससे आपको हर कार्य में सफलता प्राप्त होगी।

शुक्रवार : सुख और समृद्धि के कारक शुक्र ग्रह को मजबूत करने के लिए शुक्रवार के दिन त्रिफला, दाल चीनी, मिश्री, मूली, सफेद शलजम, खीर का सेवन करना चाहिए। इससे आपकी आर्थिक स्थिति सुधरने लगेगी।

शनिवार : शनि ग्रह को मजबूत करने के लिए शनिवार को तिल, उड़द की दाल, काली मिर्च, लौंग, तेजपत्ता, काले नमक का खाने में प्रयोग करना चाहिए।

रविवार : सूर्य के शुभ प्रभाव के लिए इस दिन बिना नमक का भोजन करना चाहिए। साथ ही इस दिन चने की दाल और मूंग की दाल खाना भी शुभ माना गया है।

शनि की उल्टी चाल से खुल जाएगी इन राशियों की किस्मत; राजा के समान होंगे 139 दिन

ज्योतिष शास्त्र में शनि की चाल का खास महत्व है। शनि देव जब कभी भी अपनी चाल बदलते हैं तो उसका असर राशिचक्र की सभी राशियों पर पड़ता है। ज्योतिष के मुताबिक, शनि देव इस वक्त अपनी मूल त्रिकोण राशि कुंभ में विराजमान हैं। जनवरी 2023 में शनि का स्वराशि कुंभ में प्रवेश हुआ था। शनि देव 2025 तक कुंभ राशि में ही संचरण करने वाले हैं, लेकिन उससे पहले शनि देव अपनी चाल बदलेंगे। शनि देव आने वाले 30 जून से 15 नवंबर 2024 तक वक्री चाल चलेंगे। शनि देव इस स्थिति में 139 दिनों तक रहेंगे। शनि की उल्टी चाल से इन राशियों को होगा खास लाभ।

मेष राशि : शनि की उल्टी चाल का मेष राशि से जुड़े लोगों को खास लाभ प्राप्त होगा। जीवन में भौतिक सुख के कई साधन प्राप्त होंगे। नौकरी-व्यापार में कार्यों में सफलता प्राप्त होगी। करियर में जबरदस्त लाभ देखने को मिलेगा। जॉब में प्रमोशन हो सकता है।

वृषभ राशि : शनि वक्री की अवधि में यानी 139 दिनों तक जीवन के तमाम क्षेत्र में खास लाभ मिलेगा। इस दौरान रुक हुआ धन मिलेगा। किसी बड़े कर्ज से मुक्ति मिल सकती है। जो लोग सरकारी नौकरी के लिए लंबे समय से कोशिक रहे हैं, उन्हें शुभ समाचार मिलेगा। आर्थिक पक्ष पहले से मजबूत नजर आएगा।

मकर राशि : शनि की उल्टी चाल करियर के लिहाज से बेहद खास और लाभकारी है। इस दौरान बिजनेस में अच्छा खासा धन लाभ होगा। व्यापार में पहले किए हुए निवेश से धन लाभ होगा। नौकरी करने वालों को कार्यक्षेत्र में खूब तरक्की मिलेगी। साथ ही मान-सम्मान की प्राप्ति होगी।

कुंभ राशि : शनि-वक्री से कुंभ राशि को खास लाभ मिलेगा। इस दौरान कारोबार में जमकर आर्थिक लाभ होगा। करियर में खास प्रगति देखने को मिलेगी। फिजूलखर्जी पर लगाम लगाने में कामयाब होंगे। जिससे आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। घर-परिवार के बड़े सदस्यों के भरपूर सहयोग मिलेगा। नौकरी में तरक्की के लिए यह समय शुभ है।

मीन राशि ; शनि का वक्री होगा मीन राशि से जुड़े लोगों के लिए भी खास है। जो लोग शादीशुदा हैं उनके संबंधों में मिठास आएगी। परिवार के लोगों के बीच अच्छा सामंजस्य बना रहा रहेगा। अगर कोई बिजनस शुरू करना चाहते हैं तो यह समय अनुकूल रहेगा। नौकरी की तलाश करने वालों को अच्छा ऑफर मिलेगा।

कच्चे प्याज का अधिक सेवन ब्लड शुगर लेवल को करता है प्रभावित

लू से बचने के लिए खाते हैं जरूरत से ज्यादा कच्चा प्याज तो सेहत को होंगे ये नुकसान

प्याज ना सिर्फ सलाद की प्लेट सजाने के काम आता है बल्कि स्टार्टर में हल्के कच्चे प्याज के लच्छे स्वाद बढ़ाने का भी काम करते हैं। कई हेल्थ एक्सपर्ट तो गर्मी के साइड इफेक्ट्स से बचने के लिए लोगों को कच्चा प्याज खाने की सलाह भी देते हैं। कच्चा प्याज खाने से लू और शरीर की गर्मी से बचाव किया जा सकता है लेकिन जरूरत से ज्यादा कच्चा प्याज खाने से सेहत को फायदे की जगह नुकसान होने लगता है। जी हां, कच्चे प्याज का अधिक सेवन ब्लड शुगर लेवल को प्रभावित करने के साथ पेट से जुड़ी कई समस्याएं भी पैदा कर सकता है। आइए जानते हैं जरूरत से ज्यादा कच्चा प्याज खाने से सेहत को होते हैं क्या नुकसान।

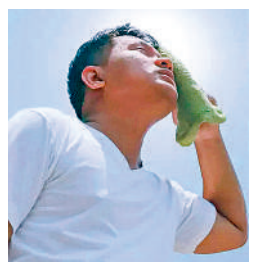

एसिडिटी-

गर्मियों में सीमित मात्रा में कच्चा प्याज खाने से पेट की गर्मी शांत होती है लेकिन इसी मौसम में अगर आप प्याज का सेवन अधिक मात्रा में करने लगते हैं तो यह आपके लिए एसिडिटी का कारण बन सकता है। दरअसल, कच्चे प्याज में ग्लूकोज और फ्रक्टोज की मात्रा अधिक होती है। अगर आप जरूरत से ज्यादा ग्लूकोज और फ्रक्टोज लेते हैं, तो शरीर में शुगर का लेवल बढ़ सकता है। ऐसे में खाने के साथ कच्चे प्याज को पचाने में दिक्कत आ सकती है और व्यक्ति को अपच और एसिडिटी की समस्या हो सकती है।

डायबिटीज रोगी शुगर चेककर सेवन करें

अगर आपका ब्लड शुगर लो रहता है, तो एक निश्चित मात्रा से अधिक प्याज का सेवन ना करें। ऐसा करने से आपका ब्लड शुगर लेवल और ज्यादा लो हो सकता है। डायबिटीज रोगी प्याज का सेवन करते हैं, तो अपना ब्लड शुगर चेक करते रहें।

कब्ज और पेट दर्द-

अधिक मात्रा में कच्चा प्याज खाने से कब्ज और पेट दर्द की समस्या भी हो सकती है। प्याज में मौजूद फाइबर की अधिकता पेट दर्द और कब्ज की समस्या का कारण बन सकती है।

एलर्जी और सीने में जलन-

जिन लोगों को प्याज का सेवन करने से किसी तरह की एलर्जी होती है, उन्हें प्याज का सेवन डॉक्टर से पूछकर ही करना चाहिए। ऐसे लोगों को प्याज रिएक्शन के रूप में सीने में जलन, एसिड रिफ्लक्स, एलर्जी जैसे खुजली- सूजन से लेकर सांस लेने में तकलीफ तक महसूस हो सकती है।

माइग्रेन-

कुछ व्यक्तियों के लिए कच्चा प्याज खाना माइग्रेन की समस्या को बढ़ा सकता है। प्याज में टायरामाइन होता है, जो सिरदर्द की समस्या को बढ़ा सकता है। यदि कोई व्यक्ति माइग्रेन से जूझ रहा है तो उन्हें यह सलाह दी जाती है कि वह कच्चे प्याज का सेवन संभलकर करें।

ये 12 नायाब रत्न दूर कर सकते हैं कई प्रकार की बीमारियां

रत्नों को प्रकृति का हमें दिया गया अनमोल और बेजोड़ उपहार माना जाता है। ज्योतिष विद्या में रत्नों का विशेष महत्व बताया गया है। विभिन्न प्रकार के रत्नों को धारण करके जहां ग्रह दशा और दरिद्रता दूर की जा सकती है। वहीं इन्हीं रत्नों के माध्यम से स्वास्थ्य की समस्याओं से भी छुटकारा पाया जा सकता है। ऐसे ही 12 रत्नों के बारे में जिनको धारण करके आप स्वास्थ्य की कई समस्याएं दूर कर सकते है।

ओनेक्स स्टोन पन्ना का उपरत्न : यह पन्ना का उपरत्न है, जिसका ज्योतिष में विशेष महत्व बताया गया है। इसको धारण करने से आपके आस-पास की वायु शुद्ध होती है और सांस की तकलीफें दूर होती हैं। ओनेक्स घर की निगेटिव एनर्जी को भी समाप्त करता है।

स्फटिक कहलाता है लव स्टोन : ज्योतिष में स्फटिक को लव स्टोन भी कहते हैं। यह तनाव और चिड़चिड़ापन दूर करता है। साथ ही दिमाग की उलझन को भी कम करता है। शुक्र ग्रह से संबंधित होने के कारण इसे प्रेम संबंधी मामलों के लिए भी शुभ माना गया है।

जामुनिया नीलम का उपरत्न : यह सिरदर्द और थकान को दूर करके आपको राहत देता है। इसके साथ ही अच्छी नींद के सुंदर स्वप्न को भी बढ़ावा देता है। यह त्वचा के लिए भी अच्छा माना जाता है और साथ ही हड्डियों और जोड़ों को भी मजबूती प्रदान करता है।

सुनहला गुरुवार को धारण करें : इसको गुरुवार के दिन धारण करना शुभ माना जाता है। यह रत्न एकाग्रता बढ़ाने के साथ ही याददाश्त को मजबूत करता है और साथ ही रचनात्मकता को भी बढ़ावा देता है।

लाजवर्त माइग्रेन से दिलाता है मुक्ति : यह एक बहुत ही प्राचीन रत्न है। इसका प्रयोग माइग्रेन से राहत पाने के लिए किया जा सकता है। इसके अलावा यह प्रतिरक्षा तंत्र को भी मजबूत करता है।

ओपल रत्न पहनने के फायदे : इसको धारण करने से व्यक्ति

को एक नई ऊर्जा का एहसास होता है। साथ ही यह रचनात्मकता को भी बढ़ावा देता है। ओपल को पहनने से व्यक्ति को सिरदर्द की समस्या से मुक्ति मिलती है।

पुखराज रत्न है अद्भुत : पुखराज को ज्योतिषियों का पसंदीदा रत्न माना जाता है। यह हॉर्मोन का संतुलन बनाए रखने के साथ ही व्यक्ति को जवां बनाए रखता है।

बैरूंज रत्न पेट को देता है लाभ : इसे एक्वामरीन भी कहते हैं। इसको पहनने से व्यक्ति को पेट की समस्याओं से छुटकारा मिलता है। यह गैस बनने की समस्या को दूर करके व्यक्ति के पाचक को सही रखता है।

जेड स्टोन के फायदे : यह व्यक्ति की एड्रीनल ग्रंथि के स्त्रावण को नियमित करता है। इसके साथ खून को भी शुद्ध करता है। इसके अलावा सिरदर्द की समस्या को भी दूर रखता है।

गोमेद दूर करता है यह समस्याएं : ज्योतिष में राहु की दशा होने पर गोमेद पहनने की सलाह दी जाती है। इसके साथ ही यह रत्न पीठ के दर्द से राहत दिलाता है। यह शरीर से कैल्सियम की कमी को दूर करके शरीर में टिश्यू का फिर से निर्माण करता है।

ब्लडस्टोन का काम : इसको धारण करने वाले जातकों के लिए यह रामबाण का काम करता है। इसको धारण करने से ब्लड प्रेशर की समस्या दूर रहती है और ब्लड सर्कुलेशन भी सही रहता है। यह सर्दी जुकाम की समस्या को भी दूर रखता है।

एगेट अर्थात सुलेमानी के लाभ : यह आपके शरीर से दूषित पदार्थों को दूर करने में मदद करता है। साथ ही तनाव और अवसाद की स्थित में भी लाभ पहुंचाता है।

दाद, खाज और खुजली की समस्या में रामबाण हैं कई घरेलू नुस्खे

दाद, खाज और खुजली एक स्किन इन्फेक्शन है, जिससे गर्मियों में कई लोग परेशान रहते हैं। अगर आप भी हाथों-पैरों या प्राइवेट पार्ट्स पर होने वाली खुजली या दाद से तंग आ गए हैं और घरेलू नुस्खों की मदद से इससे छुटकारा पाना चाहते हैं, तो हम यहां इसे दूर करने के उपाय आपके लिए लेकर आए हैं। घर में ही मौजूद हल्दी, नींबू और टमाटर आपको इस समस्या से निजात दिला सकते हैं। आइए जानते हैं कैसे।

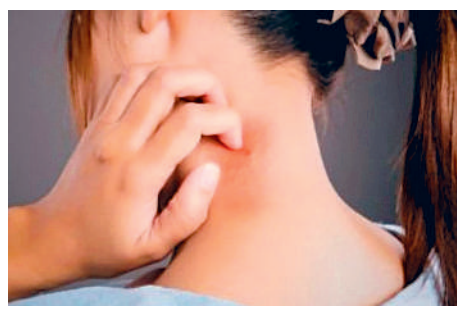

मुल्तानी मिट्टी

दाद वाली जगह पर मुल्तानी मिट्टी लगाने से भी त्वचा को खुजली और रेडनेस से राहत मिलती है। इसके लिए आप एक चम्मच मुल्तानी मिट्टी में कुछ बूंद गुलाब जल मिलाएं और इसे उस एरिया पर लगा लें। जब यह सूख जाए, तो इसे ठंडे पानी से धो लें।

नींबू और टमाटर

दाद से राहत दिलाने में टमाटर और नींबू का नुस्खा भी काफी असरदार है। इसके लिए आपको दोनों के रस को निकाल लेना है और इसमें इमली के बीजों का पाउडर मिलाकर दाद वाली जगह पर लगा लेना है। यकीन मानिए, इससे आपका दाद फैलने से तो रुकेगा ही, साथ ही धीरे-धीरे गायब भी होने लगेगा।

गेंदे के फूल

कम ही लोग जानते हैं कि गेंदे के फूल दाद के इलाज के लिए काफी फायदेमंद माने जाते हैं। आपको इसका पेस्ट बनाकर दाद वाली जगह पर लगा लेना है और सूखने देना है। बता दें, गेंदे के फूलों में एंटी एलर्जी और एंटीफंगल प्रॉपर्टीज पाई जाती हैं, जो त्वचा से जुड़ी कई समस्याओं का इलाज कर सकती हैं।

कपूर और नारियल तेल

कपूर और नारियल तेल से भी आप दाद, खाज और खुजली से छुटकारा पा सकते हैं। बता दें, इसके लिए आपको कपूर को पीसकर इसमें नारियल तेल मिलाना है और फिर दाद वाली जगह पर लगा लेना है।

दही से जुड़े मिथकों पर क्या आप भी करते हैं विश्वास? चौंका देगी सच्चाई

गर्मियों के मौसम में दही खाना सेहत के लिए अच्छा माना जाता है। इसे खाने से पेट में गुड बैक्टीरिया का बैलेंस ठीक रहता है। कहा तो ये भी जाता है कि इससे पेट की गर्मी शांत होती है और डाइजेशन बेहतर होता है। वहीं दही कैल्शियम और फॉस्फोरस जैसे पोषक तत्वों से भरपूर होता है। इसे लेकर भी कई तरह के मिथक सामने आते हैं। ऐसे में आयुर्वेदिक एक्सपर्ट ने दही से जुड़े कुछ फैक्ट्स और मिथकों को शेयर किया है।

एक्सपर्ट कहते हैं कि दही स्वाद में खट्टा, गर्म प्रकृति का और पचने में भारी होता है। यह चर्बी बढ़ाता है ऐसे में जो लोग वजन बढ़ाना चाहते हैं उनके लिए ये अच्छा माना जाता है। इससे ताकत में सुधार होता है और कफ और पित्त बढ़ता है।

दही से जुड़े मिथक

- ये ठंडा होता है। दही को रात में खा सकते हैं। दही वजन घटाने में मदद करता है। दही आसानी से पच सकता है। दही गर्मियों में खाते हैं। डायबिटीज पेशेंट के लिए अच्छा है।

दही के बारे में आयुर्वेदिक फैक्ट्स

- जब सर्दी जुकाम होता है तो अक्सर दही को गर्म करके खाने की सलाह दी जाती है। हालांकि, गर्म करने के कारण यह अपने गुण खो देता है।
- मोटापा, कफ विकार, रक्तस्राव विकार और सूजन की स्थिति वाले लोगों को दही से परहेज करना सबसे अच्छा है।
- रात के समय कभी भी दही नहीं खाना चाहिए। आप दही खाना चाहते हैं, तो इसे कभी-कभार दोपहर के दौरान और कम मात्रा खाएं।
- रोजाना दही नहीं खाना चाहिए। हालांकि, दही से बनी छाछ रोजाना पी जा सकती है। आप छाछ में सेंधा नमक, काली मिर्च और जीरा जैसे मसाले भी मिला सकते हैं।
- दही को फलों के साथ न मिलाएं क्योंकि इसे लंबे समय तक खाने से मेटाबॉलिज्म संबंधी समस्याएं और एलर्जी हो सकती है।
- दही मांस और मछली के साथ बेकार माना जाता है। चिकन, मटन या मछली जैसे मांस के साथ पकाया गया दही शरीर में विषाक्त पदार्थों को बढ़ाता है।
- एक छोटी कटोरी ही काफी होता है। बहुत ज्यादा मात्रा में इसे खाने से नुकसान हो सकता है।

सोच-सोचकर दिमाग थक गया हो तो उसे ऐसे करें रिलैक्स, माइंड होगा क्लियर

दिमाग भी कई बार सोचते-सोचते थक जाता ऐसे में जरूरी है कि उसे रिलैक्स किया जाए। जिस तरह कामवाली जगह पर गंदगी और गैरजरूरी सामान रखे हो तो काम करना मुश्किल हो जाता है। उसी तरह से अगर दिमाग में भी गैरजरूरी बातें भरी हों तो इंसान का माइंड ठीक तरीके से वर्क नहीं करता। ऐसे में जरूरी है कि माइंड को क्लियर किया जाए। जिससे आपके विचार भी साफ होंगे और आपके लिए हर काम को करना भी आसान हो जाएगा। माइंड को रिलैक्स और क्लियर करने के लिए इन कामों को करना चाहिए।

ध्यान से काम करना जरूरी है

दिमाग को सही दिशा में काम करने के लिए ट्रेंड करना जरूरी है। इस काम में मेडिटेशन मदद करता है। मेडिटेशन करने से ना केवल दिमाग को एक दिशा में काम करने में मदद मिलती है बल्कि स्ट्रेस भी दूर होता है। अगर मेडिटेशन करने के बाद भी आप एकाग्र होकर काम नहीं कर पा रहे हैं, तो भी एक काम को एक बार में करने की कोशिश करें। जिससे कि आ रहे दूसरे विचारों को पीछे करने में मदद मिले।

अपने सेंस को महसूस करें

जब भी काम के बीच में दूसरे विचार आने लगे तो फौरन अपने आसपास आ रही आवाजों पर ध्यान केंद्रित करें। या फिर जिस चीज को आप छू रहे उसे महसूस करें या फिर चेहरे पर लग रही हवा को महसूस करें।

ब्रीद पर फोकस करें

काम के बीच में अगर स्ट्रेस के विचार आने लगे तो फौरन गहरी सांस लें। धीरे-धीरे सांस लें और फिर उसे छोड़ें। ऐसे करके अपने काम को फिर से शुरू करें।

लिखना शुरू करें

जब भी माइंड में स्ट्रेसफुल विचार आने लगे तो इसे लिखने की कोशिश करें। लिखना हमेशा आसान नहीं होता लेकिन रिसर्च के मुताबिक लिखने से दिमाग में चल रहे कई सारे अजीब विचारों से छुटकारा मिलता है।

पर्याप्त नींद लें

पर्याप्त मात्रा में नींद लेना जरूरी है। जब भी शारीरिक रूप से थकान महसूस हो तो पूरी नींद लें। नींद पूरी ना होने से मेंटल हेल्थ पर निगेटिव असर पड़ता है। इससे प्रॉब्लम सॉल्व करने की क्षमता पर असर पड़ता है और आप ठीक से निर्णय लेने में खुद को सक्षम महसूस नहीं कर पाएंगे। इसलिए शरीर के साथ ही दिमाग को रिलैक्स करने के लिए पर्याप्त नींद जरूरी है।

आसपास सफाई रखें

हर काम को कल पर टालने की आदत ठीक नही है। अपने अपने आसपास की सफाई करने से दिमाग में चल रहीं फालतू की बातों को निकालने में मदद मिलती है। आसपास की गंदगी का दिमाग पर बहुत असर पड़ता है। इसलिए वर्क डेस्क और आसपास की चीजों को साफ-सुथरा रखें।

फिल्म इवेंट

बॉलीवुड

ड्रग्स स्कैम का शिकार होने से बाल-बाल बचीं आलिया की मां सोनी

मुंबई। एक्ट्रेस आलिया भट्ट के परिवार से जुड़ी एक ऐसी खबर सामने आई है जिसे सुनकर आर सब शॉक्ड हो जाएंगे। खबर है कि उनकी मां सोनी राजदान हाल ही में ड्रग्स स्कैम का शिकार बनने से बाल-बाल बच गईं। सोनी राजदान ने हाल ही में अपने साथ हुए इस घटना के बारे में अपने इंस्टा पर पोस्ट शेयर कर के जानकारी दी है, जिसमें उन्होंने बताया है कि उनके साथ स्कैम हुआ है, वो भी ड्रग्स का। सोनी ने बताया कि- 'बहुत बड़ा स्कैम हम लोगों के आसपास चल रहा है। किसी ने मुझे फोन किया और कहा कि वो दिल्ली कस्टम से बोल रहा है और उन्होंने कहा कि मैंने गैरकानूनी ड्रग्स ऑर्डर किए हैं। साथ ही उन्होंने मुझसे ये भी कहा कि वो पुलिस से भी ताल्लुक रखते हैं। इसके बाद उन्होंने मुझसे मेरा आधार कार्ड नंबर मांगा। जैसे मेरे पास कॉल आई, उसी तरह मेरे जानने में कुछ और लोगों के पास कॉल आ चुकी है। ये लोग पहले फोन करके आपको डराते हैं, धमकाते हैं और इसी तरह बात करके आप लोगों से मोटा पैसा लेने की कोशिश करते हैं। लेकिन मेरे इस पोस्ट का उद्देश्य ये है की आप लोग इनकी बातों में मत फंसना और न ही इनकी बातों में आना।

भोजपुरी

कभी घरों में जाकर गाना गाते थे पवन सिंह, आज है करोड़ों के मालिक

नई दिल्ली। पवन सिंह, जिन्हें पावर स्टार के नाम से भी जाना जाता है, भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार एक्टर और सिंगर हैं। भोजपुरी इंडस्ट्री के सुपरस्टार पवन सिंह आज किसी पहचान के मोहताज नहीं है लेकिन क्या आप जानते हैं कि पवन सिंह का बचपन काफी गरीबी में बीता है। बता दें कि आज के समय में करोड़ों की प्रॉपर्टी के मालिक पवन सिंह एक वक्त पर लोगों के घरों में गाना गाया करते थे। बिहार के आरा के रहने वाले पवन सिंह का बचपन बहुत गरीबी में बीता है। बचपन से ही एक्टर घर का खर्चा चलाने के लिए लोगों के घरों में होने वाले कार्यक्रमों में कुछ रुपए लेकर गाना गाया करते थे। आज पवन सिंह की कुल संपत्ति 6 से 8 मिलियन डॉलर यानी लगभग 50 से 70 करोड़ रुपये है। एक्टर की कमाई का जरिया उनकी फिल्में हैं, यही वजह है कि वह एक फिल्म के लिए लाखों रुपये चार्ज करते हैं। पवन सिंह एक फिल्म में काम करने के लिए 40 से 50 लाख रुपये की फीस लेते हैं और वह आमतौर पर साल में एक या दो फिल्मों में नजर आते हैं। साथ ही वह एक गाने के लिए 2 से 3 लाख रुपये भी चार्ज करते हैं। पवन सिंह सालाना 3 से 5 करोड़ रुपए तक कमाते हैं। पवन सिंह के पास मुंबई के लोखंडवाला में एक आलीशान फ्लैट भी है, जिसकी कीमत 3 करोड़ रुपये है। मुंबई से लेकर बिहार तक उनकी कई संपत्तियां हैं। पवन सिंह को लग्जरी और एसयूवी कारों का भी शौक है। उनके पास 78 लाख रुपये की मर्सिडीज बेंज कार के साथ-साथ टोयोटा फॉर्च्यूनर, महिंद्रा स्कॉर्पियो और रेंज रोवर जैसी गाड़ियां हैं।

तमिल

फिल्मों में आने के बाद भी सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करता था साउथ का ये विलेन

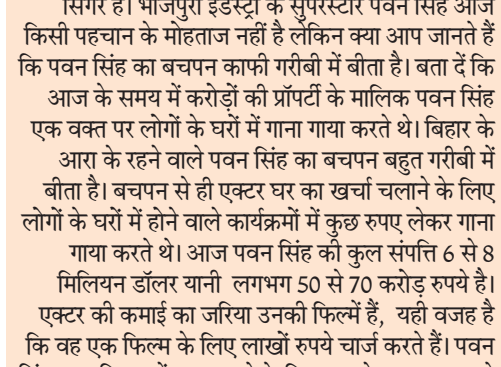

साउथ के दिग्गज कलाकार ने ब्लॉकबस्टर फिल्म 'बाहुबली' में अपने दमदार अभिनय के लिए खूब वाहवाही बटोरी थी और वो कलाकार है बाहुबली के बिज्जलदेव उर्फ नास्सर। नास्सर को बचपन से ही एक्टिंग का शौक था। उन्होंने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत साल 1985 में आई तमिल फिल्म 'कल्याण अगाथिगल' से की थी। इस फिल्म उनका रोल भले ही छोटा था, लेकिन नास्सर के लिए ये किसी सपने से कम नहीं था। ये रोल पाकर वह काफी खुश थे। कई सालों तक दर-दर भटकने के बाद भी उन्हें इंडस्ट्री में काम नहीं मिला। फिर अपने घर वालों का पेट पालने के लिए एक्टर ने वेटर और सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करनी शुरू कर दी लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं मानी। उनका हौसला अभी भी बुलंद था। डेब्यू के दो साल बाद नास्सर ने 'वेलाकरण' और 'वन्ना कानवुगल' में निगेटिव रोल कर वह छा गए। अभिनेता ने रोजा, वीरम, खुशी, चाची 420 , रावड़ी राठौर, रमैया वस्तावैया, थलाइवी जैसे कई बेहतरीन फिल्मों में काम किया है। देखते ही देखते नास्सर ने इंडस्ट्री में अपनी एक अलग पहचान बना ली है। वहीं बाहुबली में भी उनके बिज्जलदेव किरार को खूब पसंद किया गया।

गर्मी के मौसम में सभी आरामदायक कपड़े पहनना पसंद करते हैं। महिलाओं की बात की जाए तो इस सीजन में कुर्ती पहनना हर महिला को पसंद आता है। यह पहनने में कंफर्टेबल तो होती ही है साथ ही स्टाइलिश लुक भी देती है। गर्मी का सीजन शुरू हो चुका है ऐसे में अगर आप भी यह सोच रही है कि इस समर सीजन में हर तरह का आउटफिट कंफर्टेबल रहेगा। आप कुर्तियां पहनकर खूबसूरत और आकर्षक लगेंगी। इस तरह की कुर्तियों को आप जींस, ट्राउजर, प्लाजो या फिर सलवार के साथ पहन कर कहीं भी जा सकती हैं।

आंखों के आसपास की स्किन ढीली होकर लटक रही तो करें स्टेप मसाज, दूर होगी हूडेड आई प्रॉब्लम

आंखों के आसपास की स्किन काफी कोमल और सेंसेटिव होती है। ऐसे में 30 की उम्र पार होने के साथ ही स्किन केयर में की गई लापरवाही से हूडेड आई प्रॉब्लम होने लगती है। जिसमें आंखों के ऊपर और आईब्रो के नीचे की स्किन ढीली होने लगती है। इस जगह पर स्किन की इलास्टिसिटी लगभग खत्म हो जाती है। ऐसे में इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए इन 3 स्टेप मसाज को फॉलो करें जो हूडेड आई प्रॉब्लम से जल्दी ही छुटकारा दिला देगी।

स्टेप 1-कम उम्र में ही अगर आंखों के ऊपर की स्किन ढीली होकर लटकने लगी है तो इसे सही एक्सरसाइज की मदद से ठीक किया जा सकता है। सबसे पहले आईब्रो को उंगलियों की मदद से ऊपर की तरफ खींचे। फिर आईब्रो के नीचे के एरिया पर पहली उंगली के पोर की मदद से दबाते हुए साइड तक ले जाएं। इस प्रोसेस को करीब पांच से सात बार दोहराएं।

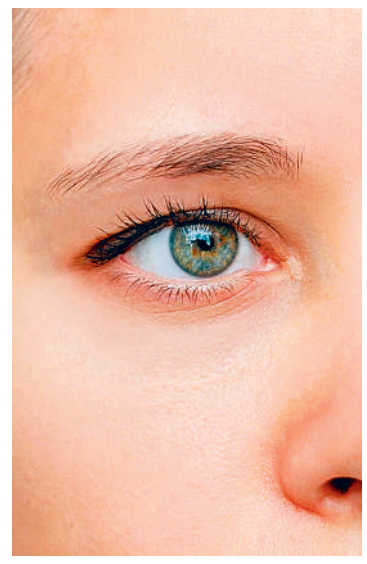

स्टेप 2- फिर आईब्रो को एक हाथ की उंगलियों की मदद से ऊपर की तरफ टाइट रखें और दूसरे हाथ की उंगलियों को मोड़कर आंखों के ऊपर की स्किन को प्रेस करते हुए बाहर की तरफ खींचें। इस प्रोसेस को पांच से सात बार करें।

स्टेप 3-दो स्टेप फॉलो करने के साथ ही तीसरे स्टेप को भी फॉलो करें। इस स्टेप को करने के लिए अपने हाथों से आंखों के किनारे टेंपल वाले एरिया को उंगलियों की मदद से मसाज करते हुए एक साथ ऊपर और नीचे की तरफ स्ट्रेच करें। इस स्टेप को फॉलो करने के लिए दोनों हाथ की उंलियों की मदद लें। इन तीन स्टेप को फॉलो करने से आंखों के ऊपर ढीली होकर सिकुड़ने वाली स्किन वापस से रिलैक्स होकर टाइट होने लगेगी।

ढीली स्किन के लिए करें ये उपाय: इसके साथ ही पर्याप्त मात्रा में नींद लें। बर्फ के टुकड़े को समय-समय पर आंखों के आसपास रब करें। रात को सोने से पहले ऑलिव ऑयल की हल्के हाथ से मसाज करें।

ट्रेंडी और स्टाइलिश तरीके से बांधें साड़ी और दिखें बोल्ड एंड ब्यूटीफुल

साड़ी ऐसा परिधान है जो आपकी पूरी पर्सनैलिटी में ही निखार ला देता है। खास मौके पर अक्सर महिलाएं साड़ी पहनना ही पसंद करती हैं। अगर इस विशेष परिधान को थोड़े अनोखे, ट्रेंडिग और स्टाइलिश तरीके से बांधा जाए तो फिर कहने ही क्या। इन तरीकों से साड़ी पहनकर बाहर निकलने पर लोग आपको पलट कर देखने से खुद को रोक नहीं पाएंगे। आज हम आपको ऐसे ही तरीकों के बारे में बताएंगे।

साड़ी एक अलग पहचान : साड़ी की जगह अब दूसरे ट्रेंडी कपड़ों के पीसेज और ऑउटफिट्स लेते जा रहे हैं, लेकिन फिर भी हाथ से बुनी हुई छह गज की साड़ी की अपनी एक अहम पहचान है। इस भव्यता को आगे बढ़ाने के लिए इसे नित नए तरीके से कैरी करें तो यह और भी शानदार और प्रभावी लगती है, क्योंकि साड़ी केवल साड़ी नहीं विरासत और परंपरा की एक पहचान भी है।

बेल्ट के साथ पहनें: यदि आपको लगता है कि आपकी हैंडलूम साड़ी अब पुरानी हो चुकी है तो इसका मेकओवर करिए और पहन डालिए इसे नए अंदाज में। इसके लिए आपको कुछ नहीं करना बस इसे एक क्लासी बेल्ट या कोर्सेट के साथ पेयर करना है। इस तरह से साड़ी पहनने से आपके कर्व्स परफेक्ट दिखते हैं।

रेट्रो विंटेज शर्ट के संग: पुरानी साड़ी को अनोखे अंदाज में बांधना चाहती है तो रेट्रो विंटेज शर्ट स्टाइल कैरी करें। आप अपनी रेट्रो शर्ट के मोह को नहीं छोड़ पा रही हैं तो इसे आप सिंपल या हैंड पेंटेड साड़ी के साथ पहन सकती हैं। साड़ी पहनिए और उसके ऊपर इस शर्ट को पहन डालिए फिर आपको ब्यूटी आइकॉन बनने से कोई नहीं रोक सकता।

गर्मियों में दिखना है कूल एंड स्टाइलिश तो इस तरह की ड्रेसेज को जरूर रखें पास

गर्मियों के सीजन में अगर आप मौसम के हिसाब से कपड़े पहनकर स्टाइलिश दिखना चाहती हैं तो इन 5 तरह की ड्रेसेज को अपने वॉर्डरोब का हिस्सा जरूर बनाएं। जिससे घर से बाहर निकलते ही लोग आपकी स्टाइल की तारीफ करें।

कफ्तान ड्रेसेज : कफ्तान ड्रेस को काफी कंफर्टेबल ड्रेसेज में गिना जाता है। अगर आपको गर्मी ज्यादा लगती है तो कफ्तान ड्रेस को जरूर पास रखें। वेकेशन पर निकली हैं या फिर दोस्तों के साथ मूवी देखने। कफ्तान डिजाइन की कुर्ती या ड्रेस दोनों ही स्टाइलिश दिखेंगी।

चिकनकारी कुर्ता या ड्रेस : चिकनकारी के कपड़े गर्मियों में बेहद अट्रैक्टिव दिखते हैं। साथ ही ये कूल एंड एलिगेंट लुक देते हैं। आजकल चिकनकारी कुर्ते के साथ ही ड्रेसेज भी मार्केट में एविलेबल हैं। जिन्हें खरीदकर आप ट्रेंडी लुक पा सकती हैं।

शार्ट कुर्ती : अगर आप ऑफिस में कुछ एलिगेंट कैजुअल लुक चाहती हैं तो शार्ट कुर्तीज काफी अच्छा ऑप्शन है। स्लीवलेस, प्रिंटेड शार्ट कुर्ती डेनिम या क्रॉप ट्राउजर के साथ परफेक्ट नजर आएंगी।

फ्लोरल प्रिंट ड्रेस : अगर आप ब्रीजी लुक चाहती हैं तो पास में फ्लोरल प्रिंट की खूबसूरत सी ड्रेस जरूर रखें। किसी भी मौके पर आप इसे पहनकर खूबसूरत दिखेंगी और लुक पूरी तरह से समर सीजन वाला दिखेगा।

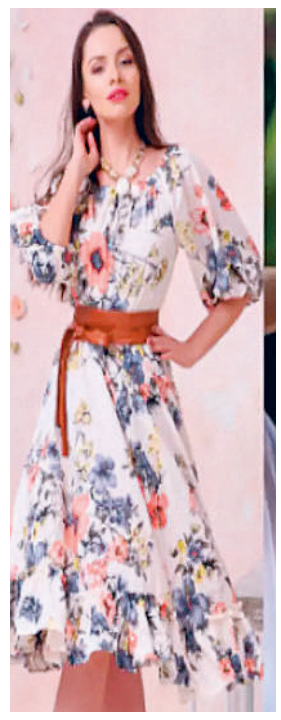

बालों में गलत तरीके से अंडा लगाने से होते हैं बड़े नुकसान, जानें क्या है सही तरीका

बालों को घना, लंबा और चमकदार बनाने के लिए कई बार लोग अंडे का इस्तेमाल करते हैं लेकिन क्या आप जानते हैं, जरूरत से ज्यादा बालों पर अंडे का इस्तेमाल फायदे की जगह नुकसान पहुंचाना शुरू कर देता है। अगर आप भी अपने हेयर केयर रूटिन में अंडे को जरूरी मानते हैं तो आइए जानते हैं इसके अधिक यूज से बालों को होते हैं क्या-क्या बड़े नुकसान।

हेयर फॉल-अंडे का हेयर मास्क लगाने से बाल मजबूत और मुलायम बनते हैं लेकिन आप अगर बालों पर अंडे का पीला हिस्सा लगाते हैं, तो इससे डैंड्रफ की समस्या पैदा होने लगती है। डैंड्रफ की वजह से होने वाली खुजली, जलन से हेयर फॉलिकल्स को

नुकसान पहुंचता है। जिससे बाल बेजान और कमजोर होकर टूटने लगते हैं।

डैंड्रफ-स्कैल्प ज्यादा ऑयली होने पर डैंड्रफ की समस्या बढ़ने लगती है। बता दें, अंडे का पीला भाग बालों और स्कैल्प में डैंड्रफ को बढ़ाता है। इस समस्या से बचने के लिए आप अंडे का सफेद हिस्सा बालों पर अप्लाई कर सकते हैं।

बालों का ऑयली होना-जिन लोगों के बाल ड्राई होते हैं, उनके लिए एग हेयर मास्क बालों को सिल्की और सॉफ्ट बनाने का काम करता है लेकिन जिन लोगों के बाल पहले से ही ऑयली हैं, उन्हें बालों पर अंडा लगाने से बचना चाहिए। ऐसे बालों पर अंडा लगाने से बाल और स्कैल्प और ज्यादा ऑयली हो सकते हैं। जिससे स्कैल्प में डैंड्रफ और इंफेक्शन का खतरा बढ़ सकता है।

बालों में स्मेल का कारण-अंडे की जर्दी बालों में लगाने से खराब स्मेल आने लगती है। दरअसल अंडे के योक में मौजूद तत्व बालों के प्राकृतिक तेल के साथ मिलकर स्मेल पैदा करते हैं। जिसे कई बार बर्दाश्त करना तक मुश्किल हो जाता है।

कार्नर न्यूज

बिना दूध की चाय है काफी फायदेमंद

चाय और कॉफी पीने वाले भी रहें सावधान आईसीएमआर ने जारी की गाइडलाइन

इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) ने प्रोटीन पाउडर के साथ चाय और कॉफी पीने वालों को भी सतर्क किया है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूट्रिशन के साथ मिलकर आईसीएमआईर ने 17 गाइडलाइन निकाली है। जिससे कि लोगों को खानपान की स्वस्थ आदतों को प्रमोट किया जा सके। ये गाइडलाइन फिजिकल एक्टिव रहने और डाइट को मेंटन करने को लेकर है। चाय और कॉफी के शौकीन इसके नुकसान जानने के बाद भी चाय और कॉफी पीते हैं। लेकिन अब इससे होने वाले नुकसान के बारे में और कितनी मात्रा में पीना है, इसको लेकर गाइडलाइन दी है।

चाय-कॉफी भी है हेल्थ के लिए नुकसानदेह : आईसीएमआर ने रिसर्च के मुताबिक ज्यादा मात्रा में चाय और कॉफी पीने से हेल्थ को कई तरह के रिस्क हैं। चाय और कॉफी में कैफीन की मात्रा होती है जो कि सेंट्रल नर्वस सिस्टम को प्रभावित करता है। जिससे साइकोलॉजिल सेहत पर असर पड़ता है।

कितनी मात्रा में पिएं चाय और कॉफी : गाइडलाइन के मुताबिक 150 मिली ब्रू कॉफी में 80 से 120 मिलीग्राम कैफीन होता है। वहीं इंस्टेंट कॉफी में 50 से 65 मिलीग्राम कैफीन होती है। जबकि चाय में 30 से 65 मिलीग्राम कैफीन की मात्रा होती है। आईसीएमआर के मुताबिक रोज करीब कैफीन पीने की मात्रा 300 मिलीग्राम से ज्यादा नहीं होनी चाहिए।

कब पीना चाहिए चाय-कॉफी : इसके साथ ही द इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च ने बताया कि चाय या कॉफी को खाने के कम से कम एक घंटा पहले या एक घंटा बाद में पीना ठीक है।

ब्लैक टी के फायदे

- बिना दूध की चाय पीने से ब्लड सर्कुलेशन सही होता है।
- साथ ही कोरोनरी आर्टरी डिसीज और पेट के कैंसर का खतरा कम होता है।
- चाय और कॉफी की मात्रा को कम करने के साथ ही आईसीएमआर ने डाइट में फ्रूट, वेजिटेबल्स, साबुत अनाज, लीन मीट, सीफूड को शामिल करने की सलाह दी है। वहीं तेल, चीनी और नमक को खानपान में कम करने की सलाह दी है।

चाय-कॉफी से होने वाले नुकसान

चाय-कॉफी में टैन्निस कंपाउड की मात्रा है जो बॉडी में आयरन अब्जॉर्ब करने से रोकती है। दरअसल, टेन्निस आयरन को पेट में ही बाइंड कर लेता है। जिसकी वजह से शरीर में आयरन की कमी होने लगती है और एनीमिया की समस्या पैदा हो सकती है।

-वहीं ज्यादा मात्रा में कॉफी पीने से ब्लड प्रेशर और कार्डियक डिसीज का खतरा रहता है।